वाराणसी शुक्रवार
11 जुलाई 2025
वर्ष : 2 अंक : 11
मूल्य : 4.00 रुपए
पृष्ठ : 08
Reg. No. : UPHIN51376

ujalasanchar376@gmail.com

राष्ट्रीय हिन्दी

उजाला संचार

मौसम
सूर्योदय : 6.53
सूर्यास्त : 5.12

वाराणसी से प्रकाशित तथा लखनऊ, बरेली, कानपुर, प्रयागराज, चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, गोरखपुर, भदोही, देवरिया सहित यूपी, बिहार, दिल्ली से प्रसारित

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन जारी रहेगा

चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड को भी पहचान पत्र मानें

पटना। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के रिवीजन जारी रखने की अनुमति दी। अदालत ने इसे संवैधानिक जिम्मेदारी बताया।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) यानी वोटर लिस्ट रिवीजन की टाइमिंग पर सवाल उठाए। अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि बिहार में रक्फ़ के दौरान आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड को भी पहचान पत्र माना जाए। बेंच के मुताबिक, 10 विपक्षी दलों के नेताओं समेत किसी भी याचिकाकर्ता ने चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया पर अंतरिम रोक की मांग नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं पर चुनाव आयोग से 21 जुलाई तक जवाब मांगा। अगली सुनवाई 28 जुलाई के लिए तय की। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) यानी वोटर लिस्ट रिवीजन पर अदालत में करीब 3 घंटे सुनवाई हुई। याचिकाकताओं का आरोप है कि वोटर लिस्ट रिवीजन नियमों को दरकिनार कर किया जा रहा है। वोटर की नागरिकता जांची जा रही है। ये कानून के खिलाफ है।

SIR के खिलाफ राजद सांसद मनोज झा, TMC सांसद महुआ मोइत्रा समेत 11 लोगों ने याचिकाएं दाखिल की हैं। याचिकाकर्ता की ओर से वकील गोपाल शंकर नारायण, कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने जिरह की। चुनाव आयोग की पैरवी पूर्व अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल, राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह ने की।

हरियाणा में 4.4 तीव्रता का भूकंप, दिल्ली-एनसीआर में भी महसूस हुए झटके

नई दिल्ली। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि भूकंप का केंद्र झज्जर से तीन किलोमीटर उत्तरपूर्व और दिल्ली से 51 किलोमीटर पश्चिम में जमीन से 10 किलोमीटर की गहरायी में था। भूकंप के झटके सुबह नौ बजकर चार मिनट पर महसूस किए गए। हरियाणा में झज्जर के समीप 4.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में भी महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि भूकंप का केंद्र झज्जर से तीन किलोमीटर उत्तरपूर्व और दिल्ली से 51 किलोमीटर पश्चिम में जमीन से 10 किलोमीटर की गहरायी में था।

ईडी ने छांगुर बाबा पर कसा शिंकजा

100 करोड़ से अधीक की संपत्ति की होगी जांच

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण रैकेट के कथित मास्टरमाइंड छांगुर बाबा पिछले हफ़्ते आतंकवाद निरोधी दस्ते द्वारा गिरफ़्तार किए जाने के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ़्तार में आ गया है। ईडी ने छांगुर बाबा और उसके करीबी सहयोगियों के खिलाफ अपनी जाँच तेज कर दी है, ताकि कथित तौर पर संदिग्ध तरीकों से जुटाई गई 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति की जाँच की जा सके। प्रवर्तन निदेशालय ने 9 जुलाई को जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट दर्ज की, जिस पर धर्मांतरण, विदेशी धन के दुरुपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा व सांप्रदायिक सद्भाव के लिए संभावित खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों का आरोप है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के अपराधों की जाँच शुरू की है और जानकारी जुटाई है कि उसके पास 40 बैंक खातों में 106 करोड़ रुपये की धनराशि है, जो मुख्य रूप से मध्य पूर्व से प्राप्त हुई है। प्रवर्तन निदेशालय ने आज, जाँच के दौरान, एटीएस लखनऊ के पुलिस अधीक्षक को एक पत्र भेजकर छांगुर बाबा के खिलाफ 16 नवंबर, 2024 को दर्ज की गई प्राथमिकी की प्रमाणित प्रति, उनसे जुड़ी संस्थाओं का विवरण, उनके और उनके सहयोगियों से संबंधित बैंक खातों का विवरण और चल-अचल संपत्तियों का विवरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

विधायक मनोज कुमार पांडेय सहित तीन विधायक विधानसभा से असंबद्ध घोषित

सपा ने किया था निष्कासित

लखनऊ। समाजवादी पार्टी से निष्कासित किए गए विधायकों को यूपी विधानसभा से असंबद्ध घोषित कर दिया गया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। बता दें कि सपा ने मनोज कुमार पांडेय, राकेश प्रताप सिंह और अभय सिंह को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। इस फैसले के बाद तीनों विधायक को सदन में अलग बैठने की व्यवस्था की जाएगी। अब वो सपा विधायकों के साथ नहीं बैठ सकेंगे। बता दें कि इन सभी विधायकों ने बीते साल हुए राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की थी और भाजपा उम्मीदवारों का समर्थन किया था जिसके बाद उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों का हवाला देते हुए कार्रवाई की गई थी।

मनोज पांडेय रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। हालांकि, उन्होंने लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी छोड़ दी थी। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के बाद से वह भाजपा के खेमे में आ गए थे। लोकसभा चुनाव के पहले रायबरेली सीट से इस बात के भी संकेत मिल रहे थे कि हो सकता है कि मनोज पांडेय को ही टिकट दे दिया जाए।

पीएम मोदी का अनोखा रिकॉर्ड: अब तक 17 विदेशी संसदों को किया संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। उन्होंने अब तक 17 विदेशी संसदों को संबोधित किया है, जो कांग्रेस के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों द्वारा दिए गए कुल भाषणों के बराबर है। इस उपलब्धि को उन्होंने जुलाई 2025 के पहले सप्ताह में हासिल किया, जब उन्होंने घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और नामीबिया की संसदों में संबोधन किया। इस अवसर पर उन्होंने भारत के वैश्विक दृष्टिकोण, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और साझा विकास पर जोर दिया। पीएम मोदी के इन संबोधनों को दुनियाभर में सराहा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे भारत की वैश्विक छवि को मजबूती मिली है।

जो राम का विरोधी है, उसकी तो दुर्गति होनी ही है...

समाजवादी पार्टी पर सीएम योगी का तंज

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान परिणामोन्मुखी और जन-केंद्रित शिकायत निवारण के महत्व को रेखांकित किया। इसके साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी को अपने निशाने पर लिया। योगी ने कहा कि राममनोहर लोहिया ने रामायण मेला शुरू किया था पर आज की समाजवादी पार्टी राम भक्तों पर गोली चलवाती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि लोहिया के चेले राम को नहीं मानते। जो प्रभु श्री राम का विरोधी है, उसकी तो दुर्गति हमेशा होनी ही होनी है...। भारत का एक ही धर्म है सनातन धर्म।

वहीं, मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन कार्यक्रम की, जहां उन्होंने लगभग 200 लोगों से मुलाकात की और उनकी शिकायतें सुनीं। महिलाओं सहित कई लोगों ने भूमि विवाद और अवैध अतिक्रमण से संबंधित मुद्दे उठाए। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लिया और अधिकारियों को त्वरित व सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाधान शीघ्र और प्रभावी होने चाहिए। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए वित्तीय सहायता चाहने वालों को, आदित्यनाथ ने आश्वासन दिया कि धन की कमी किसी की भी चिकित्सा सेवा में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने प्रशासन को संबंधित रोगियों के लिए लागत अनुमान तैयार करने और उसे तुरंत सरकार को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि बिना किसी देरी के धनराशि जारी की जा सके।

मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने करने की आवश्यकता नहीं है और सभी की समस्या का समाधान हर हाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं और उनकी शिकायत थी कि उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।

यौन शोषण मामले में क्रिकेटर ने प्रयागराज पुलिस से लगाई गुहार

प्रयागराज/गाजियाबाद। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने वाले क्रिकेटर यश दयाल ने यौन शोषण के मामले में प्रयागराज पुलिस से सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने प्रयागराज के एक स्थानीय थाने में तहरीर देकर खुद को ब्लैकमेल किए जाने का आरोप लगाया है। इससे पहले गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में यश दयाल के खिलाफ एक महिला द्वारा यौन शोषण की एफआईआर दर्ज कराई गई थी। महिला ने आरोप लगाया था कि क्रिकेटर ने उसके साथ धोखा किया और शारीरिक संबंध बनाकर छोड़ा। अब इस मामले में नया मोड़ आ गया है।

उमर अब्दुल्ला ने की जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग

बोले- इसमें अब देरी नहीं होनी चाहिए

जम्म। जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिए जाने पर सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि दुर्भाग्य से, केंद्र शासित प्रदेश होने के नाते, राज्य की सुरक्षा हमारी ज़िम्मेदारी नहीं है। हम चाहते हैं कि यह ज़िम्मेदारी हमारी हो। हमारी सरकार को जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर की ज़िम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम केंद्र शासित प्रदेश नहीं बनना चाहते। हमें केंद्र शासित प्रदेश बनाना हमारे साथ बहुत बड़ा विश्वासघात था। केंद्र सरकार और भाजपा जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य बनाने का वादा कर रही हैं। इसमें अब देरी नहीं होनी चाहिए। उमर अब्दुल्ला ने कहा

कि हमें जल्द से जल्द राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए और राज्य की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी हमारी होनी चाहिए।

कोलकाता में उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं पश्चिम बंगाल के लोगों को जम्मू-कश्मीर के लिए उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं, खासकर जब हालात खराब रहे हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे समय में दोस्तों की कमी नहीं होती, लेकिन दोस्ती का असली प्रतिबिंब मुश्किल समय में होता है। 90 के दशक में हमारे पर्यटन पुनरुद्धार की शुरूआत दो जगहों से हुई, गुजरात और पश्चिम बंगाल से।

उन्होंने कहा कि आज, हमने कोलकाता में टीटीएफ (टूर्स एंड ट्रैवल फ्रेटरनिटी) की उपस्थिति का लाभ उठाते हुए जम्मू-कश्मीर के टीटीएफ से एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल लाया, जिसका उद्देश्य पश्चिम बंगाल के लोगों को जम्मू-कश्मीर आने और इसकी सुंदरता और हमारे आतिथ्य का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करना था।

कनाडा में कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग, हमलावर फरार, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। कॉमेडियन कपिल शर्मा के फैन्स के लिए एक चौंकाने वाली खबर आई है। हाल ही में कनाडा में लॉन्च किए गए उनके कैप्स कैफे पर कुछ अज्ञात लोगों ने फायरिंग कर दी। जानकारी के मुताबिक, कपिल शर्मा और उनकी पत्नी गिन्नी चतरथ ने करीब दो साल की मेहनत के बाद कनाडा में यह कैफे खोला था। पिछले हफ्ते ही इसकी ग्रैंड ओपनिंग हुई थी, जहां बड़ी संख्या में लोग कैफे की कॉफी और खाना टेस्ट करने पहुंचे थे। घटना में बताया गया कि कुछ अनजान हमलावर गाड़ी से आए और कैफे वाली बिल्डिंग पर कई राउंड फायरिंग कर फरार हो गए। राहत की बात यह रही कि इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ है। फायरिंग की वजह फिलहाल साफ नहीं हो पाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जबकि कपिल शर्मा और उनकी टीम की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान अभी तक सामने नहीं आया है।

आकांक्षी जिलों के शिक्षकों की स्थानान्तरण सूची जारी की जाए: मूल संघ

राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश मूल संघ के प्रान्तीय कार्यकारी महामन्त्री अशोक कुमार अवाक ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव से मांग की है कि आकांक्षी जनपदों एवं विकासखण्डों में सेवारत शिक्षक/ शिक्षिकाओं जिनका ऑनलाइन आवेदन सम्बन्धित जिला विद्यालय निरीक्षकों द्वारा अग्रसारित किया गया एवं तद्क्रम में शिक्षा निदेशालय द्वारा कंसीडर्ड किया गया, को तत्काल प्रभाव से स्थानान्तरण आदेश निर्गत किया जाए।

कार्यकारी महामन्त्री का कहना है कि इस सत्र के लिए घोषित स्थानान्तरण नीति में कहीं भी इस प्रकार का कोई प्राविधान नहीं है कि नियमानुसार जिला विद्यालय निरीक्षकों द्वारा अग्रसारित ऑनलाइन आवेदन जो शिक्षा निदेशालय द्वारा पोर्टल पर कंसीडर्ड हों, उनको स्थानान्तरण से वंचित किया जाए। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले वर्ष भी इस प्रकार के शिक्षक/ शिक्षिकाओं का स्थानान्तरण किया गया था। शिक्षकों की स्थानान्तरण प्रक्रिया को उदार और सरल बनाने हेतु इस बार प्रतिस्थानी से सम्बन्धित कोई प्राविधान भी नहीं रखा गया था। किन्तु अत्यन्त खेद का विषय है कि आवेदित विद्यालयों में स्थान अभी भी रिक्त हैं , फिर भी शिक्षकों को स्थानान्तरण में विद्यालय आवंटित नहीं किया गया। कुछ शिक्षकों को स्थानांतरित किया गया है, पर कुछ का स्थानान्तरण अकारण ही रोक दिया गया है।

कार्यकारी महामन्त्री का कहना है कि भरे हुए पांच विकल्पों में से प्रथम, द्वितीय उपलब्ध नहीं होने पर, अन्य विकल्प दिए जाने चाहिए थे। इस सत्र के लिए घोषित नीति में अकारण इस प्रकार का परिवर्तन करना उचित नहीं है। शिक्षा विभाग द्वारा इस प्रक्रिया को अधर में ही लटका देने से आवेदन करने वाले शिक्षक और शिक्षिकाओं में रोष एवं पीड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

रसड़ा नगर पालिका अध्यक्ष और महंत के बीच मारपीट मे चेयरमैन गिरफ्तार, सफाई कर्मियोंने किया विरोध-प्रदर्शन

उजाला संचार, ब्यूरोचीफ-अवधेश यादव, बलियाः रसड़ा कोतवाली के अंतर्गत रसड़ा नगर पालिका के चेयरमैन विनय शंकर जायसवाल और श्रीनाथ मठ के महंथ कौशलेंद्र गिरि के बीच हुई मारपीट के मामले में नया मोड़ आ गया है। महंथ कौशलेंद्र गिरि की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए चेयरमैन विनय शंकर जायसवाल को गिरपतार कर लिया है। चेयरमैन के गिरफ्तारी के बाद नगर में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में सफाई कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन किया। वहीं भाजपा के जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा ने कहा कि संत समाज साथ मारपीट की घटना बेहद निंदनीय है, उ्होंने कहा योगी सरकार में किसी को भी अपराध करने की छूट नहीं है, चाहे वह अपराधी कितना भी ताकतवर क्यों न हो। अपराध करने वाले को सजा मिलनी ही चाहिए। वहीं चेयरमैन विनय शंकर जायसवाल ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वह भव्य रामलीला के आयोजन हेतु स्थल का निरीक्षण करने गए थे। वहा सर्वे चल रहा था. । मीडिया के लोग मौजूद थे, और लोग अपना बयान दे रहे थे। तभी महंत कौशलेंद्र गिरि आए और मीडिया के साथी को धक्का दे दिया। चेयरमैन ने आगे कहा मैं निरीक्षण कर ही रहा था कि ब्लैक कपड़े पहने एक व्यक्ति भीड़.को चीरता हुआ आया और हम पर हमला कर दिया। यह पूरी कौशलेंद्र गिरि की प्लानिंग थी,मुझे किसी भी तरह से मारने की साजिश थी। मै मुख्यमंत्री जी और शासन से निवेदन करता हूं कि मुझे जान का खतरा है। वे लोग कभी भी मेरे साथ दुर्घटना कर सकते हैं।

नगरा पडरी गांव के उसरहां टोला में कीचड़ व जलभराव से ग्रामीण परेशान, चकरोट निर्माण की मांग, बीडीओ से लगाई गुहार

उजाला संचार, रिपोर्ट- मुकेश श्रीवास्तव, बलियाः जनपद बलिया के नगरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पडरी, पोस्ट चचयां के उसरहां टोला में सड़क निर्माण न होने से ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने खण्ड विकास अधिकारी, नगरा को पत्र सौंपकर सिटी यादव के घर से मुलासी यादव के घर तक कच्चे रास्ते पर चकरोट निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इस कच्चे रास्ते से प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है, जिसमें स्कूली बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं। बरसात के मौसम में यह रास्ता दलदल में तब्दील हो जाता है, जिससे फिसलन और कीचड़ के कारण लोगों के गिरने और चोटिल होने का खतरा बना रहता है। साथ ही, जलजमाव के कारण संक्रमण फैलने की भी आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि आज तक इस मार्ग पर खड़ंजा या पक्की सड़क का निर्माण नहीं किया गया है, जबकि यह मार्ग गांव का मुख्य संपर्क मार्ग है। इस समस्या के समाधान के लिए ग्रामीणों ने बीडीओ नगरा से शीघ्र हस्तक्षेप कर चकरोट निर्माण कराने की मांग की है। इस मांग पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले प्रमुख ग्रामीणों में दिनेश यादव, ओमप्रकाश यादव, रामातिय यादव, हरिवंश यादव, मनोज कुमार यादव, अवधेश यादव, अजय यादव, मुकेश, बिहारी यादव, योगेन्द्र यादव शामिल रहे।

नगरा खानवर नवादा गांव में तीन महापुरुषों की प्रतिमाओं का भव्य अनावरण समारोह आयोजित

उजाला संचार, रिपोर्टिंग- संतोष कुमार, बलियाः नगरा क्षेत्र के अंतर्गत खानवर नवादा में गुरुवार को एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आयोजन के तहत डॉ. भीमराव अंबेडकर, संत शिरोमणि गुरु रविदास एवं महात्मा बुद्ध जी की प्रतिमाओं का भव्य अनावरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे किया गया। इस विशेष अवसर पर कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में बैजनाथ रावत (पूर्व सांसद, पूर्व विधायक एवं वर्तमान अध्यक्ष, एससी-एसटी आयोग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ) उपस्थित रहे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में बेचन राम, पूर्व विधायक एवं उपाध्यक्ष, एससी-एसटी आयोग उत्तर प्रदेश (दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री), विनय कुमार, सदस्य एससी-एसटी आयोग उत्तर प्रदेश, संजय मिश्रा भाजपा जिला अध्यक्ष बलिया, रमेश सिंह डायरेक्टर उरक्छ शामिल रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन कमलेश भारती (सपा मीडिया प्रभारी, बलिया) के तत्वावधान में किया गया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य, सियाराम एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा मनोज भारती ने आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में गांव के सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया एवं तीनों महापुरुषों के विचारों को स्मरण करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। समारोह में सामाजिक समरसता, शिक्षा, समानता और बौद्धिक जागरूकता जैसे विषयों पर वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

24 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

उजाला संचार

वाराणसी। कमिश्नरी सभागार में उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा की अध्यक्षता में जिला निर्वाचन एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 24 जिलों के जिलाधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सभी निर्वाचन अधिकारियों को ईआरओ की प्रभावी निगरानी के लिए बहुत मददगार साबित होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य आगामी चुनावों के लिए अधिकारियों को तैयार करना है। उन्होंने संविधान के भाग-15 के विभिन्न छह अनुच्छेदों को भी बताया की किस प्रकार संविधान में निर्वाचन को लेकर विभिन्न धाराएं अंकित हैं।

प्रशिक्षण के मुख्य बिंदुओ पर चर्चा की गई

संविधान में दिए गए महत्वपूर्ण अनुच्छेद, भाग 15, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की महत्वपूर्ण धाराएं, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण 1960, राजनैतिक दलों को निर्वाचक नामावलियों की प्रतियां उपलब्ध कराने के बारे में, मतदाता पुनरीक्षण, बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति एवं उत्तरदायित्व, मतदेय स्थलों के विधिक प्रावधान एवं नियम, मतदेय स्थलों का संभाजन, बीएलओ की नियुक्ति एवं दायित्व, बीएलओ की भूमिका एवं कर्तव्य, जिला निर्वाचन अधिकारी की ड्यूटी एवं उत्तरदायित्व, विभिन्न प्रकार के आवेदन पत्रों का सत्यापन, मतदाता सूची में नाम जोड़ना एवं विलोपन, मतदाता सूची की शुद्धता हेतु विभिन्न प्रकार के फॉर्मों,दिव्यांग वोटर्स, जेंडर रेशी को सुधारने के साथ एफ्छठएळ की प्रक्रिया के विषय में विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

मतदाता सूची की शुद्धताः मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके लिए नियमित रूप से नए पात्र मतदाताओं को जोड़ने और मृतक या स्थानांतरित मतदाताओं को सूची से हटाने की प्रक्रिया पर चर्चा की जा रही है।

मतदान केंद्रों पर सुविधाएंः मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे पीने का पानी, महिला और पुरुष के लिए अलग शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, साइनेज, और दिव्यांगों के लिए रैंप आदि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बीएलओ ऐप और वोटर सर्विस पोर्टलः बीएलओ ऐप और वोटर सर्विस पोर्टल के माध्यम से मतदाताओं को सुविधाएं प्रदान करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने पर चर्चा की गई।

मतदान केंद्रों की संख्याः मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है, ताकि किसी भी मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता न हों। इससे मतदाताओं को मतदान के लिए लंबी लाइनों में खड़े नहीं रहना पड़ेगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर करने, बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को प्रशिक्षण देने, संविधान के प्रावधानों से लेकर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 के अलग-अलग निदेशों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि ह्यईआरओ नेटह्न एक डाटाबेस है, जिससे मतदाता सूची बनती है।

आम आदमी पार्टी में बड़ा बवालः शीर्ष नेतृत्व के रवैए से नाराज 46 कार्यकर्ताओं ने दिया सामूहिक इस्तीफा

उजाला संचार

वाराणसी। आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मनमानी और तानाशाही पूर्ण रवैये से नाराज होकर पार्टी के 46 प्रमुख कार्यकताओं ने गुरुवार की शाम पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। कैंटोनमेंट क्षेत्र में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह जानकारी पूर्व जिलाध्यक्ष ई. रमाशंकर सिंह पटेल ने दी।

उन्होंने बताया कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का कार्यकताओं के प्रति व्यवहार निराशाजनक और भेदभावपूर्ण है। हाल ही में बिना किसी कारण के वर्तमान जिलाध्यक्ष को हटाकर दूसरे व्यक्ति को नियुक्त कर दिया गया, जिससे कार्यकताओं में असंतोष व्याप्त है।

पूर्व जिला महासचिव प्रो. अखिलेश पांडेय और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने आरोप लगाया कि जब किसी कार्यकर्ता के साथ कोई घटना या दुर्घटना होती है, तो पार्टी का शीर्ष नेतृत्व न तो कोई सहयोग करता है और न ही संवेदनशीलता दिखाता है।

इस रवैये से क्षुब्ध होकर पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों सहित कुल 46 कार्यकताओं ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वालों में पूर्व जिलाध्यक्ष ई. रमाशंकर सिंह पटेल, पूर्व जिला महासचिव प्रो. अखिलेश पांडेय, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमला प्रसाद सिंह, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष संजय कुमार प्रधान, पूर्व जिला उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष चंद्र वर्मा, डॉ संजय सिंह जिला पूर्व उपाध्यक्ष प्रभारी रोहनिया, अब्दुल रकीब एडवोकेट पूर्व जिला उपाध्यक्ष प्रभारी दक्षिणी विधानसभा, प्रेम यादव पूर्व जिला सचिव, पीयूष श्रीवास्तव पूर्व अध्यक्ष विधानसभा उत्तरी, अनूप प्रताप पूर्व सचिव पिंडरा विधानसभा आदि पदाधिकारी एवं सातो विधानसभा प्रभारी और सातो विधानसभा अध्यक्ष सहित कई प्रमुख चेहरे शामिल हैं।

कार्यकताओं का कहना है कि जहां कार्यकताओं का सम्मान न हो और जनभावनाओं की कद्र नहीं किया जाता हो ऐसी पार्टी में रहने का कोई औचित्य नहीं।

उत्कृष्ट संरक्षा कार्य के लिए डीआरएम ने रेलकर्मियों को किया पुरस्कृत

सभी को संरक्षा सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने को किया प्रोत्साहित

उजाला संचार

चंदौली। डीडीयू मण्डल पूर्णतः संरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित रखने हेतु पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल (डीडीयू मंडल) निरंतर रूप से प्रतिबद्ध है। मंडल में संरक्षा की दिशा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले रेलकर्मियों को नियमित रूप से पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया जाता है।

इसी क्रम में आज दिनांक 09.07.2025, बुधवार को मंडल कार्यालय के सभागार में मंडल रेल प्रबंधक श्री उदय सिंह मीना द्वारा विद्युत (परिचालन), यांत्रिक (कैरिज एंड वैगन) तथा परिचालन विभाग के कुल 10 चयनित रेलकर्मियों को माह मई - 2025 में अपनी सतर्कता, कार्यकुशलता एवं जिम्मेदारी का परिचय देते हुए संभावित दुर्घटनाओं को रोकने एवं संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए संरक्षा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संरक्षा विभाग के समन्वय से किया गया। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक श्री उदय सिंह मीना ने सभी पुरस्कृत रेलकर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पूर्ण संरक्षा बनाए रखने में जमीनी स्तर पर कार्यरत रेल कर्मियों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

बरेका पश्चिम उपनगर की शोभा बना सोलर ट्री

हरित ऊर्जा की दिशा में एक आकर्षक पहल

उजाला संचार

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) द्वारा पश्चिम उपनगर स्थित बइंटर कॉलेज चौराहे पर लगाए गए अत्याधुनिक सोलर ट्री ने न केवल क्षेत्र की सुंदरता को नई ऊंचाई दी है, बल्कि हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक अभिनव कदम भी सिद्ध किया है।

बरेका महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह के पहल पर बरेका के सौंदर्यीकरण के क्रम में स्थापित यह आकर्षक सोलर ट्री आधुनिक तकनीक और सौंदर्य का अद्भुत संगम है। यह रात्रिकालीन समय में अपनी चमचमाती रोशनी से परिसर को स्वप्निल छटा प्रदान करता है, जिससे न केवल आवासीय क्षेत्र की सजावट में वृद्धि हुई है, बल्कि लोगों को स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रेरणा भी मिल रही है।

नीली-श्वेत टाइलों से सजे गोलाकार चबूतरे के मध्य खड़ा यह सोलर ट्री, पत्तों की शाखाओं में फैले एलईडी लाइट्स के माध्यम से रात्रि को प्रकाशमय कर रहा है।

यह पहल न केवल ऊर्जा संरक्षण और स्वच्छता का प्रतीक है, बल्कि बरेका प्रशासन की नागरिक सुविधा और पर्यावरणीय संवेदनशीलता की सोच को भी दर्शाती है। बरेका द्वारा लगाए गए सोलर ट्री से हर कोना पर्यावरण संरक्षण की रोशनी से आलोकित कर रहा है।

चोरी व लूट की घटना को अंजाम देने वाले 5 शातिर गिरफ्तार

चोरी व लूट की 05 अलग-अलग घटनाओं से सम्बन्धित सामान व नगदी बरामद

उजाला संचार

मिर्जापुर। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने तथा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान, चोरी/ लूट/ छिनैती/ वाहन चोरी की घटना पर अंकुश लगाने सहित घटनाओं में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी कराये जाने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं ।

उक्त निर्देश के अनुक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में एसओजी, सर्विलांस व थाना को0देहात की संयुक्त पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है । दिनांकः09.07.2025 को थाना को0देहात, एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना को0देहात क्षेत्रान्तर्गत छितपुर तिराहा-बरकछा खुर्द मार्ग बहदग्राम बरकछा के पास से 02 मोटरसाइकिल सवार कुल 05 नफर शातिर अभियुक्तों 1.पवन उर्फ छोटू कुमार पुत्र सिपाही लाल, 2.सुनील बिन्द उर्फ पूसी पुत्र जयलाल बिन्द, 3.मुर्शीद अली पुत्र मु0ईशा, 4.अमरजीत उर्फ हैदर पुत्र बहादुर बिन्द व 5.राजाबाबू उर्फ रामविलाश पुत्र जगदीश बिन्द को गिरफ्तार किया गया । मौके से गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय 02 अदद जिन्दा कारतूस, एक अदद वीवो कम्पनी की मोबाइल व 03 अदद चाकू बरामद किया गया तथा दोनों मोटरसाइकिलों के वैध कागजात प्रस्तुत न करने पर अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना को0देहात पर मु0अ0सं0-290/2025 धारा 3/4/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों को मा0 न्यायालय/ जेल भेजा जा रहा है।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति हो जागरूकः सोनू किन्नर

उजाला संचार

चन्दौली/पीडीडीयू नगर। एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान 2025 के अंतर्गत सुभाष नगर स्थित पोखरे पर नगर पालिका पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर अध्यक्ष सोनू किन्नर द्वारा नीम का पौधा लगाकर अभियान को सफल बनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष सोनू किन्नर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रत्येक व्यक्ति में जिम्मेदारी होनी चाहिए जिससे आने वाले भविष्य में वातावरण को शुद्ध किया जा सके। वृक्षारोपण के बाद पर्यावरणीय जिम्मेदारी और हरित भविष्य के निर्माण में युवाओं को भी आगे आना होगा। प्रत्येक पौधा प्रतीकात्मक रूप से एक मां को समर्पित था जो

देखभाल और विकास के संदेश को पुस्ट करता है। इस अवसर पर सभासद आरती यादव,एस एफ आई शत्रुघन कुमार, न्यायिक एसडीएम, चेयरमैन प्रतिनिधि शमशाद व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम लगाएंः विधायक

उजाला संचार

चन्दौली। एक पेड़ मां के नाम एक ही दिन में उत्तर प्रदेश की जनसंख्या से अधिक पेड़ पूरे राज्य में लगाये जा रहे हैं उसी के तहत आज मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल ने नियमताबाद ब्लॉक साथ ही सदर ब्लॉक चंदौली में एक पेड़ मां के नाम लगाएं उसके बाद विधायक रमेश जायसवाल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा की एक पेड़ मां के नाम सिर्फ एक वृक्षारोपण कार्यक्रम कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह समाज में प्रकृति के प्रति नई चेतना और संवेदन शीलता का परिचायक बन चुका है इस अभियान में मां के स्नेह को प्रकृति से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण को एक भावनात्मक आधार दिया गया है जिससे लोग आत्मीयता से जुड़ रहे हैं साथ ही विधायक रमेश जायसवाल ने बताया कि एक ही दिन में उत्तर प्रदेश की जनसंख्या से अधिक पेड़ पूरे राज्य में लगाया जा रहा हैं यह न केवल एक रिकॉर्ड है बल्कि पर्यावरण के प्रति जन जन की जागरूकता का प्रमाण भी है एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम और किसानों ने उत्साह से पेड़ लगाए हैं यह जनआंदोलन अब एक सांस्कृतिक परंपरा का रूप ले रहा है जो आने वाली पीढ़ियां तक चलेगा।इस अवसर पर भाजपा

से पर्यावरण की रक्षा को जन-जन का आंदोलन बना दिया गया है जो अब एक ऐतिहासिक मिसाल के रूप में सामने आ रहा है एक पेड़ मां के नाम ने केवल शहरों तक सीमित रहकर काम नहीं किया बल्कि गांव गांव तक इसकी पहचान हो चुकी है ग्रामीण क्षेत्रों में भी बच्चों महिलाओं पश्चिमी मंडल के अध्यक्ष विवेक सिंह, खंड विकास अधिकारी प्रमोद गुप्ता, धनंजय सिंह, हरिश्चंद्र सिंह टुनटुन,ओम प्रकाश सिंह, रेनू पांडे ,अभिषेक जायसवाल,कल्लू सिंह प्रधान, चुनमुन सिंह,शाहिद विधायक प्रतिनिधि संजय कनौजिया भी उपस्थित रहे।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक संपन्न

उजाला संचार

चन्दौली/डीडीयू मंडल में राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग और प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक मंडल कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना ने की।

बैठक में मंडल में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई तथा हिंदी में कार्य की गुणवत्ता एवं मात्रा बढ़ाने हेतु विभिन्न सुझावों पर विचार-विमर्श हुआ। मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों को सरकारी कार्य में अधिकाधिक हिंदी के प्रयोग हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि राजभाषा का प्रयोग हमारी कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग होना चाहिए।

इस अवसर पर बीती तिमाही के दौरान हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभाग को प्रोत्साहित करते हुए चल राजभाषा शील्ड प्रदान की गई। यह शील्ड कार्मिक विभाग को प्रदान की गई, जिसे मंडल कार्मिक अधिकारी (प्रभारी) जैश कुमार ने

प्राप्त किया।

बैठक में मंडल के सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक का समन्वयन अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी सह अपर मंडल रेल प्रबंधक दिलीप कुमार द्वारा किया गया। संचालन राजभाषा अधिकारी सह मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार द्वारा किया गया।

एनसीसी कैडेट्स को ए, बी और कैंप सर्टिफिकेट वितरित हुआ

उजाला संचार

चन्दौली/दुल्हीपुर,सनबीम स्कूल मुगलसराय में आज प्रातः कालीन सभा में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय के एनसीसी परीक्षा में सफल प्रतिभागियों को 'ए' और 'बी' प्रमाणपत्र प्रदान किए गए, और साथ ही 39 कैडेट्स को कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप के सफलता पूर्वक संपन्न होने पर प्रमाणपत्र दिए गए। यह कार्यक्रम 91 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अमर सिंह एस एम के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय की निदेशिका श्वेता कानूडिया ने कहा - कि 'एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और समय प्रबंधन जैसी मूल्यवान योग्यताओं का विकास करता है। यह गर्व की

बात है कि हमारे देश के भविष्य ये कैडेट्स निष्ठा और समर्पण के साथ राष्ट्रसेवा के लिए तत्पर हैं।'

विद्यालय की प्रधानाचार्या सौमिता चटर्जी ने एनसीसी कैडेट्स का मनोबल बढ़ाते हुए कहाकि 'हमारे कैडेट्स का समर्पण और अनुशासन पूरे विद्यालय के लिए प्रेरणास्त्रोत है। एनसीसी के माध्यम से विद्यार्थियों में सेवा, नेतृत्व और आत्मबल का विकास होता है।'

संक्षिप्त समाचार

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सोनभद्र में वृहद पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण को समर्पित ऐतिहासिक पहल

उजाला संचार, सोनभद्र। एक पेड़ माँ के नाम प्रकृति को नमन, मातृभूमि को समर्पण अभियान के तहत सोनभद्र की पावन धरती पर एक बार फिर पर्यावरण संरक्षण का एक ऐतिहासिक अध्याय रचा गया। 37 करोड़ पौधारोपण अभियान 2025 के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम 2.0 का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों पौधे धरती की गोद में रोपित किए गए। यह महाअभियान केवल हरियाली बढ़ाने तक सीमित नहीं, बल्कि यह माँ की ममता, सुरक्षा और जीवनदायिनी छाया को सम्मान देने का एक प्रयास है। इस विशाल कार्यक्रम का आयोजन मुर्ध्वा वन खंड 6बी में किया गया, जहाँ लगभग 1,70,000 पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। वन विभाग रेणुकूट के डीएफओ कमल कुमार और रेंजर राघवेंद्र कुमार की अगुवाई में यह अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अभियान में निफा (नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविस्ट), प्रयास फाउंडेशन और विदुषी महिला मंडल को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जिन्होंने मिलकर 100 पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम में प्रयास फाउंडेशन से संस्थापक एवं निफा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष दिलीप दुबे, यशपाल उपाध्याय और मनीष मौर्य ने भाग लिया। वहीं विदुषी महिला मंडल की ओर से वंदना दुबे, शिल्पी उपाध्याय, शिखा सिंह, मनीषा सिंह और नमिता गौड़ ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी को निभाया। इस मौके पर वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों और सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लिया और जनसामान्य को प्रेरित किया कि वे भी इस अभियान से जुड़ें, एक पौधा लगाएं और उसकी सुरक्षा का संकल्प लें।

नीट परीक्षा में सफल होने पर योगेश चन्द्र नागर किये गए सम्मानित

उजाला संचार, सोनभद्र। नीट परीक्षा पास कर मेडिकल कॉलेज में दाखिल होने वाले योगेश चन्द्र नागर को उनके पारिवारिक गृह पर बुधवार को प्रबुद्ध जनों द्वारा सम्मानित किया गया। मालूम हो कि जनपद जौनपुर के मूल निवासी एवं वर्तमान में ओड़हथा, शाहगंज सोनभद्र के निवासी राधेश्याम नागर के सुपुत्र योगेश चन्द्र नागर ने हाल ही में हुए नीट परीक्षा पास कर जिले का नाम रोशन किया है।इस खुशी में शुभचिंतकों द्वारा बधाई देने का क्रम जारी है। इसी कड़ी में बुधवार को राजगढ़ विधानसभा के लोक प्रिय जननायक विधायक स्वर्गीय पंडित रामनाथ पाठक स्मृति सेवा संस्थान पसहीं कला, सोनभद्र के प्रबंधक एवं जिला कांग्रेस सेवा दल के जिला अध्यक्ष कौशलेश पाठक द्वारा होनहार छात्र योगेश चन्द्र नागर को अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए शुभकामनाओं सहित बधाई दी गई। इस मौके पर शुभकामनाएं एवं बधाई देने वालों में प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के महासचिव रामानंद पाण्डेय, मीडिया प्रभारी संतोष कुमार नागर, कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के जिला महासचिवद्वय पंकज मिश्रा, राहुल सिंह पटेल, जिला कांग्रेस सेवा दल के सचिव शिवपूजन विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष रामरुप शुक्ला, जितेन्द्र देव पाण्डेय अरबिंद मौर्या एवं विशाल नागर मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में मां के नाम पर पेड़ लगाने का अभियान चला

उजाला संचार

कासिमाबाद से धर्मेन्द्र कुमार रिपोर्ट, मरदह। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में मां के नाम पर पेड़ लगाने का अभियान चल रहा है। ग्राम प्रधान व वन विभाग के द्वारा पौधारोपण के लिए चलाए जा रहे। कार्यक्रम के तहत बुधवार को मुस्तफाबाद , धनेशपुर ,कोर गांव,बहलोलपुर में विभिन्न स्थानों पर पौधे रोपे गए। वन दरोगा आशीष कुमार ने लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान धनेशपुर अशोक कुशवाहा कहा गया पौधों का रोपण करके ही पर्यावरण को स्वच्छ व संतुलित किया जा सकता है। रामाशीष सिंह ग्राम प्रधान बहलोलपुर ने ग्राम सभा के गोचर भूमि के परिसर में पौधारोपण किया। रामाशीष सिंह ने कहा कि पेड़-पौधों को जीवन के लिए अमूल्य बताया। ग्राम सभा

मुस्तफाबाद के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विक्रांत सिंह की ओर से पौधारोपण किया गया।और उन्होंने लोगों से एक पेड़ अपने मां के नाम से लगाने का आह्वान किया। खंड विकास अधिकारी कौस्तुभमणि पाठक ने पौधारोपण करते हुए कहा कि वृक्ष प्राणवायु प्रदान करते हैं। सभी के लिए पौधारोपण करना और उसे बचाना बेहद जरूरी है। जयप्रकाश राम ग्राम पंचायत अधिकारी ने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाने मे सहयोगी हैं। साथ ही हमें फल, फूल व लकड़ियां प्रदान करते हैं। पौधारोपण करते हुए कहा कि वृक्ष प्राणवायु प्रदान करते हैं। सभी के लिए पौधारोपण करना और उसे बचाना बेहद जरूरी है। आशीष कुमार वन दरोगा ने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाने मे सहयोगी हैं। साथ ही हमें फल, फूल व लकड़ियां प्रदान करते हैं। वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार मरदह ,बिरनो ब्लाक में101450 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर आनंद सिंह, अशोक कुशवाहा ग्राम प्रधान , मनोज राम, श्रीनिवास कुशवाहा, सुनील, गोविंद, रामजन्म राजभर, वनरक्षक अनीता विश्वकर्मा जितेश यादव वनरक्षक सुनील राम वनरक्षक अभिषेक सिंह राजू सिंह राजनाथ यादव आदि लोगों उपस्थित है।

मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

उजाला संचार

गाजीपुर। जंगीपुर थाना क्षेत्र के हंसराजपुर बाजार के नवापुर मोड पर मंगलवार देर शाम शुभम आभूषण केंद्र में हथियारबंद बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया बदमाशों ने चांदी व सोना सामान लूटकर बाइक से फरार हो गए घटना के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जंगीपुर वह बिरनो थाने की टीम बनाकर जांच शुरू कर दी बुधवार को सुबह मदारपुर मोड पर चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल पर 3 संदिग्ध बिना हेलमेट बाइक पर आते हुए दिखाई दिए पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया लेकिन वह भागने लगे सोचना पर बिरनो पुलिस को अलर्ट किया गया।

इसी दौरान बदमाशों ने पुलिस पर देसी तमंचे से फायर करना शुरू कर दिया जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी उन पर फायरिंग की जिसमें दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी एक बदमाश भागने में सफल रहा गिरफ्तार बदमाशों की पहचान राजा चौहान निवासी छापरी थाना दुल्लापुर गाजीपुर और दूसरा बदमाश शिवम चौहान उर्फ.परमहंस चौहान निवासी चैनपुर थाना रानीपुर मऊ मऊ के रूप में पहचान हुई

राजा चौहान 12 और शिवम पर अपराधी मुकदमे दर्ज हैं इनके पास से दो तमंचे चार कारतूस दो जिंदा दो खोखा एक मोटरसाइकिल लूटी गई 415 ग्राम चांदी और अन्य गाने बरामद हुए थाना प्रभारी विवेक कुमार तिवारी ने बताया कि लूट की घटना में शामिल आरोपियों को मुठभेड़ में पड़कर विधि करवाई की जा रही है फरार तीसरे आरोपी की तलाश जारी है।

गुरु पूर्णिमा पर्व पर क्रिया कुटी आश्रम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

भक्ति और साधना का अद्भुत संगम

उजाला संचार

रेणुकूट, सोनभद्र । (उ.प्र.): 10 जुलाई 2025 को मुर्धवा स्थित क्रिया कुटी आश्रम में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ सम्पन्न हुआ। यह पावन अवसर अघोर परंपरा के महान संत और अघोर गुरु पीठ ब्रह्म निष्ठालय, बनौरा (रायगढ़, छत्तीसगढ़) के अधिष्ठाता औघण संत परम पूज्य बाबा प्रियदर्शी राम जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। सुबह से ही आश्रम प्रांगण में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। गुरु पूजा एवं श्री गुरु चरण पादुका पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात सफल योनि पाठ और अघोर परंपरा से संबंधित गुरु गीता पाठ का सामूहिक पाठ किया गया। इस दौरान

पूरा वातावरण मंत्रमय और भक्तिमय हो उठा। इसके उपरांत आरती एवं भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ जिसमें आश्रम से जुड़े साधकगण, माताएं, बच्चे और श्रद्धालु जनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। भक्ति संगीत और संतवाणी की गूंज से आश्रम प्रांगण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा।कार्यक्रम के समापन पर पारंपरिक प्रसाद घुघरी और हलुआ श्रद्धालुओं को वितरित किया गया। सैकड़ों की संख्या में आए श्रद्धालुओं ने प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया और गुरुचरणों में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पर्व का समापन एक और पुनीत कार्य वृक्षारोपण के साथ किया गया। क्रिया कुटी आश्रम परिसर में पौधे लगाए गए, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी समाज को दिया गया। श्रद्धालुओं ने वृक्षों की देखभाल का संकल्प लिया और इसे सेवा का माध्यम बताया। इस अवसर पर व्यवस्थापक मंडल सहित आश्रम से जुड़े अनेक सेवाव्रती कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्यक्रम की व्यवस्था में लगे रहे।

समाजवादी महिला सभा की प्रतिभा सूर्या सिंह को प्रदेश सचिव बनाने पर हर्ष

उजाला संचार

बसन्त कुमार गुप्ता, मिर्जापुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की अनुमति से समाजवादी महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव ने प्रतिभा सूर्या सिंह को प्रदेश सचिव बनाया। आपको समाजवादी पार्टी की प्रदेश सचिव महिला सभा नियुक्त किए जाने पर हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई। यह न सिर्फ आपके संघर्ष, समर्पण और नेतृत्व क्षमता की पहचान है, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त कदम भी है। आपके नेतृत्व में महिला सभा को एक नई ऊर्जा, सोच और दिशा मिलेगी। समाजवादी विचारधारा को मजबूती देने और महिलाओं की आवाज को बुलंद करने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। आपके नए दायित्व के लिए ढेरों शुभकामनाएं। हमें विश्वास है कि आप इस पद की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी।

'एक पेड़ मां के नाम' चेयरमैन दुद्धी, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, मंडल संयोजक व प्रधान संघ अध्यक्ष आदि ने गांव-गांव पौधरोपण किया

उजाला संचार

दुद्धी सोनभद्र नगर पंचायत व विकासखंड अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम के तहत शासन व भाजपा संगठन के निर्देश पर नगर पंचायत के ऐतिहासिक नंदन वन में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चाँद प्रकाश जैन नगर पंचायत दुद्धी चेयरमैन कमलेश मोहन व एक पेड़ मां के नाम भाजपा मंडल संयोजक जितेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी, एस टी मोर्चा जिला मंत्री शम्भू खरवार पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष विष्णु गुप्ता आदि के कर कमलों द्वारा नारियल का पौधा व छायादार एवं फलदार पौधारोपण एक पेड़ मां के नाम स्मृति में लगाया गया। प्रदेश कार्य समिति सदस्य ने नंदन वन कों देख नगर पंचायत अध्यक्ष की कार्य की मुक्ति कंठ से प्रशंसा करते हुए प्रतिक

नगर पंचायत को इस प्रकार के सराहनी कार्य करने का सुझाव दिया। नगर पंचायत चेयरमैन दुद्धी ने अपने उद्बोधन में कहा कि लगभग 2 से 3 हजार पौधे इस नंदन वन में रोपित किया गया हैं। समर्पण और अथक प्रयास से 80% पौधे सिंचाई व साफ सफाई के द्वारा सुरक्षित और समृद्ध हो गए हैं साथ में वार्ड सभासद प्रेम नारायण सिंह, धीरज कुमार जायसवाल, व नगर पंचायत कर्मी समीर कुमार अग्रहरी उमेश कुमार, सुरेश कुमार आदि मौजूद रहें।तत्पश्चात पर्यावरण संरक्षण हेतू चलाए जा रहे महा अभियान एक पेड़ मां के नाम का करवा मंडल संयोजक जितेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी संग ग्राम रजखड़ प्रधान संघ अध्यक्ष गुंजा देवी, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष बृजेश कुमार कुशवाहा, ए ई रामकिशन सारस्वत, एसडीओ प्रवीण त्यागी, सेवानिवृत डाककर्मी संग ग्राम रजखड़ में छायादार एवं फलदार पौधा रोपण किया गया। विकासखंड के सभी ग्राम प्रधानों मल्लदेवा प्रधान प्रतिनिधि निरंजन जायसवाल व ए डी ओ पंचायत आशुतोष श्रीवास्तव, ग्राम पंचायत सदस्य प्रभाकर प्रजापति, अवधेश सिंह शिव शंकर प्रजापति मानसिक अग्रहरि शिव शंकर कुशवाहा ने पौधे रोप तो ग्राम अमवार में ईश्वर प्रसाद निराला आदि ग्राम दिघुल में प्रधान जगत नारायण आदि,जबकि घिवही, फूलवार,घिवही,गुलाल झरिया डुमरडीहा, धनौरा, बीडर आदि ग्राम प्रधानो ने दुद्धी विकास खण्ड में गांव - गांव एक पेड़ मां के नाम लगाए गए। इस मौके पर ग्राम पंचायत के सेक्रेटरी सहित स्थानीय ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे।

योग साधकों ने चरणों में माथा टेका गुरु की महिमा का किया बखान

उजाला संचार

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज नगर स्थित मारवाड़ी धर्मशाला राजस्थान भवन बड़ौदा बैंक के पीछे वृहस्पतिवार को प्रातःकालीन सामूहिक योगाभ्यास के बाद पतंजलि किसान सेवा समिति जिला संगठन मंत्री मोहर देव पांडेय के अध्यक्षता में गुरु पूर्णिमा पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। सभी योग साधक गुरु के चरणों में शीश झुकाए तथा गुरु के बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। सर्वप्रथम प्रमुख शिक्षक ओम प्रकाश यादव व सुनील कुमार श्रीवास्तव का सभी योग साधकों ने स्वागत सम्मान किया।तत्पश्चात यज्ञ, हवन, पूजन व भजन के साथ गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया। विमला इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य शिव नारायण लाल श्रीवास्तव व जिला महामंत्री भारत स्वाभिमान सुनील कुमार चौबे द्वारा गुरु की महिमा पर प्रकाश डाला गया। दयानंद मौर्य व शाखा स्वयं सेवक राजेंद्र द्वारा बहुत सुंदर गुरु गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी, नगर संरक्षक शेषमणी तिवारी, तहसील प्रभारी दिलीप कुमार सिंह, नगर संयोजक दिनेश लाल श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता/योग साधक अमरेश

चन्द्र त्रिपाठी, चंद्र बहादुर सिंह, लक्ष्मी नारायण पांडेय, उमेश तिवारी, धनंजय कुमार मिश्रा, प्रेम प्रकाश शुक्ला, अशोक कुमार गुप्ता, गोपाल दास केसरी, पुरुषोत्तम, नागेंद्र नाथ चौबे, रूप नारायण सिंह, पुरुषोत्तम प्रजापति, देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अनुराग, रामसेवक पांडेय, पंचम, अनिल शर्मा, सतनाम, दीपू सहित काफी संख्या में योग साधक उपस्थित रहे।

जीवात्मा और परमात्मा की लीला ही है रासलीला: पंडित अरूण कृष्ण शास्त्री

राधे-कृष्ण की मनमोहक झांकी निकली, दर्शन करने को श्रद्धालुओं का लगा रहा तांता

उजाला संचार

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत पेटराही के सिंधौरा गोरारी गांव में स्थित संत श्री कामेश्वर जी शिक्षा एवं जन विकास सेवा आश्रम में चल रहे श्री मद्भागवत कथा के सातवें दिन वृहस्पतिवार को राधे- कृष्ण की झांकी निकाली गई। इस दौरान दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। वहीं रासलीला, माखनचोरी, बकासुर वध, अजासुर वध आदि की कथा का रसपान कर भक्त भाव विभोर हो गए।

श्री मद्भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन पंडित अरुण कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने कहा कि जीवात्मा और परमात्मा के पावन लीला को महारास लीला कहा जाता

है।

महाराज जी ने भगवान श्री कृष्ण के पावन रासलीला, बकासुर वध, अजासुर वध एवं अन्य प्रसंगों की कथा के द्वारा समस्त श्रोता समुदाय को भागवतीय सरिता में सराबोर किया। महाराज जी ने कहा कि संत श्री कामेश्वर जी का उद्देश्य वैदिक गुरुकुल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा गौशाला, वृद्धाश्रम के लिए भी प्रयासरत हैं।आप सभी लोग प्रभु के श्री चरणों में अपना सहयोग प्रदान करें और अपनें अमूल्य जीवन को सफल बनाएं।

इस अवसर पर यज्ञ के आचार्य सूरज पाण्डेय , पं० सतीश पाण्डेय, अर्जुन तिवारी, राजेश कुमार पाठक, चंद्रभूषण पांडेय, रामप्रसाद पांडेय, सुशील त्रिपाठी, प्रशान्त कुमार मिश्र, गणेश दूबे, सुशीला पाठक, प्रिंस पांडेय, ललित पांडेय, सनोज पांडेय, अनुराग पाठक, नागेंद्र दुबे, संतोष आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस का आरोप, आम जनता की समस्याओं का नहीं समाधान, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

उजाला संचार

ब्यूरोचीफ-अवधेश यादव, बलियाः कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि बांसडीह विधानसभा क्षेत्र में आम जन बिजली. सड़क, स्वास्थ्य व सिंचाई संबंधी ढेरों समस्याओं से परेशानी है। जिला कांग्रेस कमेटी ने इन समस्याओं से निजात दिलाने की मांग करते हुए उपजिलाधिकारी बांसडीह माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिलाध्यक्ष उमाशंकर पाठक ने कहा कि स्मार्ट मीटर से अत्यधिक बिजली बिल, अघोषित विद्युत कटौती, सिक्कारी रोड-कथौली की जर्जर सड़कें, सरकारी अस्पतालों में बाहरी दवाओं का प्रचलन, बंद पड़े सरकारी ट्यूबवेल और नहरों की सफाई जैसी समस्याओं का शीप्र समाधान जरूरी है। उन्होने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन कार्रवाई नहीं करता है, तो कांग्रेस आंदोलन करेगी। प्रदेश प्रवक्ता पुनीत पाठक ने कहा कि सरकार आमजन की समस्याओ को लेकर संवेदनहीन है। उन्होने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार जनता के प्रति अपनी जिमदारियों को निभाने

में विफल रही। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष सचितानंद तिवारी प्रदेश महासचिव अभिजीत तिवारी सत्यम, विजेंदर पांडेय मुखिया, जनार्दन उपाध्याय.प्रेमचंद मौर्या, बीर बहादुर सिंहः बीरेश तिवारी, एडू भारती, मदन यादव, सतेंद्र यादव, सुधीर पांडेय मुख्तार अंसारी, अमित उपाधाय सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अभाविप ने राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस (अभाविप स्थापना दिवस) के अवसर पर शोभा यात्रा और संगोष्ठी का हुआ आयोजन

उजाला संचार

दुद्धी, सोनभद्र। अभाविप दुद्धी जिला द्वारा राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर शोभा यात्रा की शुरूआत परिषद् का झंडा दिखाकर किया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों जैसे शोभा यात्रा, संगोष्ठी, मिष्ठान वितरण का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से प्रवासी अभाविप प्रांत जनजातिकार्य संयोजक मनमोहन निषाद जी रहे, जिसमें प्रांत संयोजक ने सभी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए भारत माता की जय के उदघोष के साथ संबोधित किया जिसमें कहा की अभाविप विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है अभाविप इकलौता ऐसा छात्र संगठन है जो आज 77 वर्षों से लगातार विद्यार्थियों की आवाज बुलंद करने के साथ-साथ

समाज की आवाज बनने का काम किया, अभाविप ने विद्यार्थियों के आवाज को जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक उठाया है और समय समय पर विशेष अभियानों को भी विद्यार्थी परिषद चलता रहा है जिसमें एक प्रमुख अभियान अभी कुछ महीनों पहले परिसर अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को जागरूक करने का अभियान एक सप्ताह का चलाया था जिसकी शुरूआत दुद्धी से हुई थी, और ऐसे कई अभियान अभाविप चलाती रहती हैं। अभाविप अपने स्थापना काल से ही राष्ट्र पुनःनिर्माण की भावना के साथ निरंतर कार्य कर रही हैं।

इस अवसर पर प्रमुख रूप दुद्धी जिला संयोजक नीतेश गुप्ता, पूर्व जिला प्रमुख नित्यानंद, प्रांत कार्यकारणीय सदस्य राजन सोनी, अभाविप दुद्धी नगर अध्यक्ष आर0 पी0 श्रीवास्तव,विशाल तिवारी, राधे खरवार, पीयूष कसेरा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खून खराबे का खेल

एक बार फिर पंजाब देश-विदेश से संचालित आपराधिक गैंगों और आतंकवादियों के निशाने पर आ गया है। संगठित आपराधिक गिरोहों द्वारा आम-खास लोगों को शिकार बनाये जाने की घटनाएं जब-तब सामने आती रहती हैं। हाल ही में एक पृथकतावादी संगठन के सक्रिय आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया का अमेरिका से प्रत्यर्पण इस बात की याद दिलाता है कि राज्य में चरमपंथी विचारधारा का साया कितना गहरा बना हुआ है। आरोप है कि करीब चौदह ग्रेनेड हमलों को अभियुक्त ने अंजाम दिया। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करने वाले अभियुक्त पासिया की भारत वापसी निस्संदेह आगे की जांच में मददगार साबित होगी। इससे भारत विरोधी गतिविधियों में पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों के काले अध्याय फिर सामने आने की भी उम्मीद जगी है। इस प्रकरण के उजागर होने से एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि कैसे पंजाब को भारत विरोधी ताकतों द्वारा विदेशों से निशाना बनाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य में गैंगस्टरों द्वारा की जा रही हिंसा में खतरनाक ढंग से वृद्धि देखी जा रही है। अबोहर के व्यवसायी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हुई हत्या और मोगा में अभिनेत्री तानिया के डॉक्टर पिता की उनके क्लीनिक में गोली मारकर की गई निर्मम हत्या ने इस बात को उजागर किया कि संगठित आपराधिक नेटवर्क कितनी आसानी से काम कर रहे हैं। हमलावरों द्वारा सार्वजनिक रूप से मरीज बनकर डाक्टर को गोली का निशाना बनाना आपराधिक दुस्साहस को ही उजागर करता है। जो बताता है कि अपराधियों में कानून व पुलिस का खौफ नजर नहीं आता। यह समाज वैज्ञानिकों के लिये भी गंभीर मंथन का विषय है कि राज्य का समाज इस गहरी अस्वस्थता का शिकार क्यों है। निश्चित रूप से समाज में आर्थिक विसंगतियां और सामाजिक विद्रूपताएं अपराध की राह खोल रही हैं। वहीं दूसरी ओर, राज्य में शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी, नशे की लत, अशांत बचपन, गरीबी, विषैली राजनीति और रातों-रात अमीर बनने की लालसा कई पंजाबी युवाओं को अपराध की अंधी गली की ओर धकेल रही है। ऐसा भी नहीं है कि बेरोजगारी व अन्य सामाजिक विसंगतियां देश के अन्य राज्यों में नहीं हैं। नशा एक राष्ट्रीय संकट बनता जा रहा है। सवाल ये कि हमारा शासन-प्रशासन इन अपराधों से किस तरह निबटता है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा में गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। निस्संदेह, अपराध का रास्ता कई युवाओं को आकर्षित करता है, लेकिन एक हकीकत यह भी है कि इस राह से गुजरने के बाद मुख्यधारा में लौटना असंभव है। अपराधी फिर कभी सामान्य जीवन नहीं जी सकता। लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन को राज्य में उन सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की सख्त जरूरत है, जो अपराध को बढ़ावा देते हैं। उन विभागीय काली भेड़ों की भी सख्त निगरानी की जरूरत है जो अपराधियों के अपवित्र गठबंधन में मददगार होती हैं। हालांकि, पंजाब पुलिस ने कुछ गिरफ्तारियां और मुठभेड़ें की हैं, लेकिन ये महज एक प्रतिक्रियात्मक कदम मात्र है। इस बड़े संकट से निपटने के लिये एक निरंतर, व्यवस्थित व कारगर रणनीति बनाने की जरूरत है। वहीं कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत बनाने की दरकार है। इसके साथ ही शिक्षा प्रयासों का विस्तार करने, पुनर्वास और न्यायिक प्रक्रियाओं को भी तेज करने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त केंद्र की एनआईए जैसी एजेंसियों के साथ तालमेल से राज्य की एजेंसियों को अपराधियों पर शिकंजा कसने में मदद भी मिल सकती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पंजाब में अपराधियों व आतंकवादियों का गठजोड़ अब स्थानीय नहीं रह गया है। यह न केवल अंतर्राष्ट्रीय रूप ले चुका है, बल्कि आधुनिक तकनीक व हथियारों की मदद से मारक साबित हो रहा है। इससे बड़ा संकट यह भी है कि ये अपराध वैचारिक रूप से अस्थिर भी हैं। निस्संदेह,यह एक बड़ी चुनौती है और इससे निबटने में जितनी देरी होगी, पंजाब में स्थितियां सामान्य बनाने में उतनी मुश्किल होती जाएगी।

विचार

हिमालयी परिवेश की रक्षा

हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों खासकर हिमाचल व उत्तराखंड में अतिवृष्टि और बादल फटने की घटनाओं में जिस तेजी से पुनरावृत्ति हुई है, उसे मौसम के चरम के रूप में देखे जाने की जरूरत है। हालांकि, तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार-बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है। हाल ही में, इन्हीं मुद्दों की तरफ हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी ध्यान खींचा है। निस्संदेह, इन कारणों की पड़ताल के लिए विषय विशेषज्ञों की सहायता लेना भी जरूरी है। पिछले दिनों हिमाचल में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री ने उन उपायों की सूची पर चर्चा की, जिन्हें तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों में नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने की जांच, नियमित मौसम अपडेट देना और नदी-नालों से कम से कम सौ मीटर की दूरी पर घरों का निर्माण करना शामिल है। लेकिन इसके प्रभावी लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकते हैं जब इस बाबत किसी ठोस योजना को अमलीजामा पहनाया जाए और साथ ही नीतियों के क्रियान्वयन की समय सीमा निश्चित की जाए। निश्चित रूप से मौजूदा संकट को देखते हुए युद्धस्तर पर काम करने की जरूरत है। वह समय चला गया जब सरसरे आदेश दिये जाते और सिफारिशें की जाती थीं। कानूनों और नियमों की अनदेखी के खिलाफ सभी एजेंसियों को तालमेल बैठाकर इस दिशा में अभियान चलाने की जरूरत है। वनों की अवैध कटाई, अनियोजित निर्माण और अवैज्ञानिक विकास प्रथाओं पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। इसके लिये सरकारी मशीनरी को मिशन मोड में काम करने की जरूरत होगी। जिसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। भले ही राज्य की सत्ता में दो दलों का वर्चस्व हो और उनकी विचारधाराओं में टकराव रहा हो, लेकिन इस मुद्दे पर एकजुट होकर संकट का मुकाबला करने की जरूरत है। निश्चय ही हाल के वर्षों में पहाड़ विरोधी विकास ने हिमालयी राज्यों की अस्मिता को आहत किया है। हिमालयी राज्यों में लोग पहाड़ों के मूल चरित्र में हस्तक्षेप करने वाले विकास की विसंगतियों की कीमत चुके रहे हैं। अब चाहे बड़े बांध हों या फोर लेन सड़के हों। निस्संदेह, विकास हर राज्य की प्राथमिकता है, लेकिन विकास योजनाओं को पहाड़ों की जरूरत के मुताबिक बनाया जाना चाहिए। इन राज्यों में स्थितियां विकट हैं और हालात और खराब होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भूस्खलन की लगातार बढ़ती घटनाएं और दरकती सड़कें इसकी बानगी मात्र हैं। कुल मिलाकर पहाड़ों के अस्तित्व पर संकट बढ़ा है। निस्संदेह, मौजूदा रणनीति और नीतियां इस संकट से निबटने में सक्षम नहीं हैं। सत्ता में बैठे लोगों के लिये जरूरी है कि वे मौसम विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और क्षेत्र के अनुभवी लोगों से राय लें। साथ ही तकनीकी समाधानों को वरीयता दी जाए। इसमें दो राय नहीं कि मानव जनित समस्याओं के निदान के लिये मानवीय दृष्टि से संवेदनशील समाधान तलाशने की जरूरत है। निश्चित रूप से इसमें समुदाय के तौर पर एकजुटता के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं रह जाता। समय आ गया है कि हम एक बार फिर से पहाड़ों के अनुरूप जीवन शैली को अपनाएं। पहाड़ हमारी आवश्यकता तो पूरी कर सकते हैं, लेकिन वे इंसान की विलासिता का बोझ सहन करने को तैयार नहीं हैं। निश्चित ही आधुनिकता की आंधी में संयम का जीवन और आवश्यकताओं को सीमित करना कठिन कार्य है, लेकिन बचाव का संभवतः अंतिम उपाय यही है। बहुमंजिला इमारतों को सीमित करना, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और निर्माण से पहले जमीन की क्षमता का आकलन करना जरूरी हो जाता है। नदियों में होने वाले अवैध खनन को रोकना भी उतना जरूरी है, जितना जंगलों का कटान रोकना जरूरी है। पहाड़ों को उस हरीतिमा से ढकना होगा जो भूस्खलन व मिट्टी के कटाव को रोकने में सक्षम हो। साथ ही नदियों के स्वाभाविक प्रवाह को बाधित करने वाले कारकों को दूर करने की भी जरूरत है।

हिंदी विरोध के जरिए राष्ट्रीय मानस पर चोट

> हिंदी बोलने के लिए हिंदीभाषियों को प्रताड़ित करने वाली राजनीति का अतीत भी ऐसा ही रहा है। शिवसेना का उभार पिछली सदी के साठ के आखिरी वर्षों में मुंबई में मलयालम बोलने वालों को खिलाफ आंदोलन के बाद हुआ

इसे राजनीतिक विद्रूप ही कहेंगे कि हिंदी को राजभाषा बनाने का विचार देने वाली मराठी माटी पर ही हिंदीभाषियों को अपमानित किया जा रहा है। महाराष्ट्र की धरती पर हिंदीभाषियों को अपमानित करने में राजनीति के दो चेहरे साफ नजर आ रहे हैं। एक तरफ अपमानित करने वाली शिवसेना और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे है तो दूसरी तरफ राज्य की सत्ता है। हिंदीभाषियों को अपमानित करने वाली राजनीति का मकसद हिंदी विरोध पर मराठी मानुष की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए अपना वोट बैंक मजबूत करना है तो दूसरी तरफ सत्ता और विपक्ष के एक हिस्से की राजनीति है, जो अपमानित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई इस डर से नहीं कर रही कि कहीं इससे मराठी मानुष की धारणा कमजोर ना हो जाए और उसके जरिए उसका अपना समर्थक आधार ना खिसक जाए। राजनीति की इस चक्करघिन्नी में निम्न मध्यवर्गीय या हाशिये वाला हिंदीभाषी समुदाय ही पिस रहा है। उसका अपराध यह है कि वह महाराष्ट्र में रहते हुए मराठी ना बोलकर हिंदी बोल रहा है।

हिंदी बोलने के लिए हिंदीभाषियों को प्रताड़ित करने वाली राजनीति का अतीत भी ऐसा ही रहा है। शिवसेना का उभार पिछली सदी के साठ के आखिरी वर्षों में मुंबई में मलयालम बोलने वालों को खिलाफ आंदोलन के बाद हुआ। मनसे के कार्यकर्ता 2008-09 के दौरान तो केंद्रीय नौकरियों के लिए मुंबई में परीक्षाएं देने आए उत्तर भारतीय विशेषकर उत्तर प्रदेश-बिहार के छात्रों को को खुलेआम पिटते रहे। उस समय की राज्य सरकार ने इस बदसलूकी के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने से बचती रही थी और आज की सरकार का भी कुछ वैसा ही रवैया है। मराठी मानुष का बोध महाराष्ट्र में इतना गहरा है कि सरकारें चाहें जिस भी दल की हो, इस मसले पर तकरीबन एक जैसा रूख अपनाने से परहेज नहीं करतीं। भारत की संपर्क भाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी को स्थापित करने का विचार देने में महाराष्ट्र की हस्तियों का बड़ा योगदान रहा है। लोकमान्य तिलक ने बंग-भंग के वक्त 1905 में वाराणसी की यात्रा की थी। वहां उन्होंने नागरी प्रचारिणी सभा के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जो कहा था, उसे महाराष्ट्र की हिंदीविरोधी राजनीति को जानना चाहिए। तिलक ने कहा था, निःसंदेह हिंदी ही देश की संपर्क और राजभाषा हो सकती है। लोकमान्य अकेले मराठी मानुष नहीं हैं, जिन्होंने हिंदी को लेकर यह विचार दिया। 1960 से पहले आज का गुजरात राज्य भी महाराष्ट्र का ही हिस्सा था। 1880 में गुजराती कवि नर्मदाशंकर दवे उर्फ नर्मद कवि ने लोकमान्य से करीब चौथाई सदी पहले हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में आगे लाने का सुझाव दिया था। हिंदी को स्थापित करने की महात्मा गांधी की कोशिशों से भला कौन इनकार कर सकता है। 1918 में गांधी जी की अध्यक्षता में हुए इंदौर के हिंदी साहित्य सम्मेलन को हर हिंदीप्रेमी जानता है। लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि गांधी जी ने 1917 में भरूच में आयोजित गुजरात शैक्षिक सम्मेलन में पहली सार्वजनिक तौर पर हिंदी की ताकत को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा था, भारतीय भाषाओं में केवल हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है जिसे राष्ट्रभाषा के रूप में अपनाया जा सकता है।ꣲ हिंदी के प्रचार को राष्ट्रीय कार्यक्रम मानने वाले काका कालेलकर भी मराठी भाषी ही थे। सतारा में जन्मे कालेलकर ने 1938 में कहा था, ꣳराष्ट्रभाषा प्रचार हमारा राष्ट्रीय कर्म है।ꣲ रचनात्मक आंदोलनकारी और गांधी जी के शिष्य विनोबा भी ताजिंदगी हिंदी के संघर्षरत रहे। उन्होंने हर भारतीय भाषा को एक-दूसरे के करीब लाने के लिए अनूठा सुझाव दिया था। उन्होंने हर भाषा से नागरी लिपि अपनाने का सुझाव दिया था।

सिर्फ राजनीति ही नहीं, पत्रकारिता जगत की मराठीभाषी हस्तियों ने भी हिंदी को स्थापित करने में रचनात्मक भूमिका निभाई है और साहस दिखाया है। हिंदी पत्रकारिता आज जिस मुकाम पर है, उसमें बड़ा योगदान मराठीभाषी पत्रकारों और लेखकों का भी है। माधव राव सप्रे, बाबूराव विष्णुराव पराड़कर, रामकृष्ण खाडिलकर, लक्ष्मण नारायण गर्दे जैसे पत्रकारों ने हिंदी को नई शैली में गढ़ा, उसके शब्द गढ़े, और उसे ऊंचाई दी। हिंदी इन मराठीभाषी महात्मनों की शुक्रगुजार है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से निकले धर्मयुग ने दशकों तक हिंदीभाषी पाठकों के दिलों पर राज किया। ऐसे महाराष्ट्र की धरती पर अगर हिंदी बोलने वालों का अपमान होना दुखद ही कहा जाएगा। हिंदी को लेकर महाराष्ट्र की धरती पर अतीत में ऐसी सोच नहीं रही है। हिंदी विरोध की ग्रंथि तमिलनाडु में आजादी के पहले से ही रही है, जिसका संक्रमण कर्नाटक तक पहुंचा है। कर्नाटक रक्षण वेदिके ने 2017 में हिंदी बेड़ा अभियान यानी हिंदी विरोधी अभियान चलाया। साल 2019 में हिंदी दिवस न मनाने के लिए भी राज्य में अभियान चला। शुरू में इन विरोध प्रदर्शनों को बड़ा समर्थन नहीं मिला। राजनीति और मीडिया के हलकों में इसकी सुरसुरी दिखी। ऐसे आंदोलनों का असर बाद में पता चलता है। जब विरोध की वैचारिकी के असर में जमीनी स्तर की सोच बदलने लगती है।

विभाजित परिदृश्य में भारत की संयमपूर्ण नीति

बढ़ते तनावों और पीछे हटती सच्चाइयों के युग में, भारत अपने शांत विमर्श के साथ, अपनी आजादी के 80 वर्ष पूरे करने जा रहा है। हमारी यात्रा एक ऐसा वृत्तांत रही है, जिसे फिर से बताने की जरूरत है झ भले ही अपनी सौवीं वर्षगांठ की परिकल्पना, शक्ति का विस्तार करने में नहीं, बल्कि अपने उद्देश्यों को और गहराई देने में है।

जहां अन्य राष्ट्रों में प्रभुत्व बनाने के लिए होड़ मची है, भारत अपनी राह पर कायम है- विचारधारा में धंसा हुआ नहीं, बल्कि सभ्यतागत नैतिकता की गहरी जड़ों से जुड़ा, जिसे हम ह्ययुमैनशिपह्ल अर्थात धर्मनीति के नाम से जानते हैं- सतत राष्ट्रीय आचार संहिता, स्मृति द्वारा आकार पाई, समदृष्टि सहित और मूलतः संयम वाली। यह कोई जुमला नहीं; हमारा वह व्यवहार है, जिसे हम तब भी कायम रखते हैं जब कोई न देख रहा हो और कैसे हम सबके सामने होने के बावजूद खुद को रोक लेते हैं। यह नैतिकता हमने अपने सबसे प्राचीन शब्दकोष से पाई है।

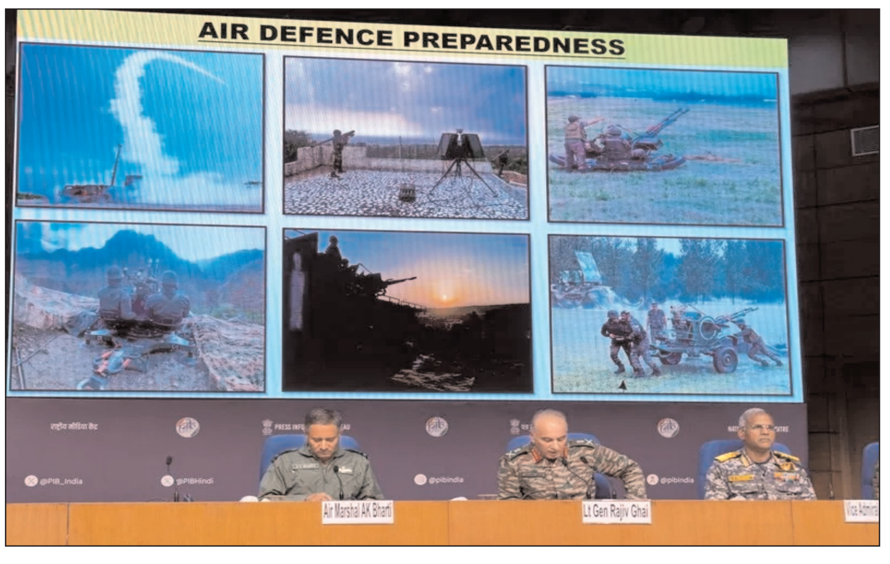

दुनिया युद्ध और इसकी चेतावनियों के बीच डगमगा रही है। गाजा खून में सना है; यूक्रेन बिखरने की कगार पर है; ईरान और इस्राइल अपने संयम की सीमाएं नाप रहे हैं। व्यापार बल-प्रयोग का औजार बन गया है। जलवायु परिवर्तन के खतरे को हथियार बनाया जा रहा है। तकनीक उपकरण और खतरा, दोनों बन गई है। परमाणु संयम, लापरवाही भरी बयानबाजी में बदल गया है। संयुक्त राष्ट्र पंगु हुआ पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा समिति के स्थाई सदस्य देश तभी कार्रवाई करते हैं, जब उनके हित आपस में मिलें। संतुलन का भरोसा देने वाले तंत्र को साजिशन मामलों से अलग रखा जा रहा है।

1948 से 2025 तक, हमारे विकल्प सतत कहानी बताते हैं। हम लाहौर की दहलीज पर जाकर थम गए, जीता हुआ हाजी पीर इलाका लौटा दिया, और पाकिस्तानी सेना को दूर तक खदेड़ने के बावजूद मुजफ़्फराबाद पर कब्जा नहीं किया। सीमा पार किए बिना कारगिल पर फिर से कब्जा कर लिया। हमने ढाका को आजाद करवाया और बाद में उन 90,000 पाकिस्तानी युद्धबंदियों को स्वदेश भेजा, जिनके साथ जिनेवा संधि के तहत उदारतापूर्ण व्यवहार किया गया। मदद की पुकार पर हम मालदीव और श्रीलंका गए। परमाणु मामलों में, कगार की नौबत बनाए बिना नो फर्स्ट यूज सिद्धांत का पालन करते आए हैं। हर मामले में, भारत के पास आगे बढ़ने की पूरी कूवत थी, लेकिन समदृष्टि को न तजने का उसका इरादा ज्यादा मजबूत रहा। जहां दूसरे बीच रास्ते में पीछे हट गए,वहीं भारत स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ अंत तक गया। 1962 में, हिंदी-चीनी भाई-भाई का दोस्ताना उस वक्त जोर-जबरदस्ती में बदल गया जब चीन, जो खुद प्राचीन सभ्यता है और जिसके साथ हम शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व चाहते थे, उसने वार्ता की बजाय धोखा चुना। युद्ध त्वरित रहा। जब धूल छंटी, तो एक सवाल जरूर उठा : चीन ने अपनी शिष्टता तज क्या पाया और सह-अस्तित्व की नैतिकता त्यागकर क्या खोया? भरोसा टूट गया। लॉर्ड कर्जन ने 1907 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में फ्रंटियर्स नामक सालाना व्याख्यान में कहा था : ह्यसहमति वाली स्पष्ट सीमारेखा की बजाय असहमति वाली सीमाओं से ज्यादा हासिल किया जा सकता हैह्ल। एक सदी बाद, लगता है कि चीन ने वह सिद्धांत आत्मसात कर लिया। आज, भारत के संयम की परीक्षा और दिखाए गए दृढ़ संकल्प के प्रदर्शन के साथ, चीन को खुद सामने आते नहीं पा रहे, बल्कि वह खेल कर रहा है झ खुद पीछे रहकर किसी और से जोर-जबरदस्ती करवाने वाले की भूमिका में। इस नाटक का पदार्फाश करने में ऑपरेशन सिंदूर पहला उदाहरण रहा। यह चीन और उसका मुखौटा बने पाकिस्तान के लिए एक संदेश भी था : जहां भारत तनाव को विस्तार देने के उनके खेल में नहीं फंसने वाला है वहीं पीछे भी नहीं हटेगा। हाथी सब याद रखता है। और याददाश्त की बदौलत, वह उकसावे से नहीं, संतुलन के के साथ नपी-तुली कार्रवाई करता है।

भारत का उदय, अपने हित कायम रखने की एवज में सहयोगियों की बलि देने वाली पामर्स्टन नीति पर चलकर नहीं हुआ है। इसने रिश्तों में दबाव बनाने की बजाय इनको सतत बनाए रखने को तरजीह दी। ऐसे युग में जब पूर्व-निवारण उपाय करना तमाशा बन चुका है और गठजोड़ लेन-देन आधारित बन गए हैं, भारत फिर भी संतुलन बनाए रखने का पक्षधर है - इसलिए नहीं कि यह आसान है, बल्कि इसलिए कि यह सही है।

हमारा वैश्विक रुख इसी नैतिकता को दशार्ता है। हम निर्भरता बनाने की बजाय बहुआयामी रिश्ते बनाने में लगे हैं। हम व्यापार, तकनीक और पर्यावरणीय प्रबंधन में सुधारों के पक्षधर हैं - ताकत पाने के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्षता के लिए। हम युद्ध की तैयारी करते हुए भी शांति बनाए रखना चाहते हैं। भारत खुद को एक ध्रुव होने का दावा नहीं करता। यह तो कुछ दुर्लभ प्रस्तुत करता है : एक आलंब, कोई स्थिति नहीं,बल्कि एक सिद्धांत। जहां जाकर दुनिया झुक जाती है, भारत स्थिर रहता है। यूक्रेन और ईरान में, हमने तनाव कम करने का आह्वान किया - सोची-समझी तटस्थता के कारण। महाशक्तियां ध्रुवीकरण करना चाहती हैं।

जीएसटी की 12 प्रतिशत स्लेब में बदलाव से उद्योग और आमजन को मिलेगी राहत

वस्तु एवं सेवा कर यानी कि जीएसटी की चार स्लेबों में से दूसरी 12 प्रतिशत की स्लेब को लेकर जिस तरह की चचाएं आम हो रही है उससे मध्य व निम्न वर्ग में आशा का संचार होने लगा है। दरअसल समाज का मध्यम और निम्न वर्ग सबसे अधिक प्रभावित जीएसटी की 12 प्रतिशत वाली स्लेब से ही हो रहे हैं। इन वर्गों से जुडी वस्तुएं या सेवाओं पर लगने वाला कर सीधा सीधा इन्हें प्रभावित करता है। इसका कारण भी साफ है कि दैनिक उपभोग की अधिकांश वस्तुएं इसी स्लेब में आती है। खाने-पीने की वस्तुओं के साथ ही जूते-चप्पल, कपड़े आदि भी इसी स्लेब में आते हैं। हांलाकि विशेषज्ञों के अनुसार 12 प्रतिशत की स्लेब पर निर्णय से सरकार पर 40 से 50 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का असर पड़ेगा पर यह भी माना जा रहा है कि बाजार में इन वस्तुओं की मांग बढ़ेगी और मांग बढ़ने से काफी मात्रा में राजस्व पूर्ति हो सकेगी। वैसे भी फ्री बीज के नाम पर बहुत कुछ जा रहा है तो फिर यदि बड़ी आबादी को राहत और लोकहित में कोई निर्णय किया जाता है तो वह अधिक लाभकारी होता है। हालांकि इस निर्णय के भी बिहार सहित अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों से जोड़कर राजनीतिक अर्थ निकाले जाएंगे पर इस तरह के निर्णयों पर राजनीति करना उचित नहीं कहा जा सकता। जानकारों के अनुसार जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक में 12 प्रतिशत वाली स्लेब को या तो विलोपित करने पर विचार किया जा सकता है या फिर इसमें से आम उपभोग की वस्तुओं को पांच प्रतिशत की स्लेब के दायरें में लाया जा सकता है। 12 प्रतिशत की स्लेब को विलोपित किया जाता है तो इसके दायरें में आ रही वस्तुएं या सेवाएं 5 प्रतिशत की स्लेब दायरें में आने की अधिक संभावना हैं। यदि विलोपित भी नहीं की जाती है और आज की प्रचलित चार स्लेबों 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत में से सीधे आम उपभोग की वस्तुओं और सेवाओं को नीचे वाली और शेष को अन्य स्लेबों में समायोजित किया जा सकता है। बढ़ती मंहगाई के कारण आम नागरिकों खासतौर से मध्य और निम्न मध्य वर्ग को राहत दिलाने के लिए इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

> जीएसटी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली होने के साथ ही समूचे देश में कर की एकरुपता के लिए 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू की गई थी। देष में असम पहला प्रदेश था जिसने सबसे पहले जीएसटी को अपनाया। अब तो समूचे देश में जीएसटी व्यवस्था लागू हो चुकी है

जीएसटी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली होने के साथ ही समूचे देश में कर की एकरुपता के लिए 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू की गई थी। देश में असम पहला प्रदेश था जिसने सबसे पहले जीएसटी को अपनाया। अब तो समूचे देश में जीएसटी व्यवस्था लागू हो चुकी है। अब तक जीएसटी काउंसिल की 57 बैठके हो चुकी है और इनमें अनवरत रुप से सुधार व बदलाव किया जाता रहा है। 12 प्रतिशत के बदलाव की चर्चा छेड़कर बैठक से पहले ही बहस छेड़ दी गई है। इसे सकारात्मक भी माना जाना चाहिए क्योंकि जीएसटी स्लेबों के निर्धारत में राज्यों की भी प्रमुख भूमिका होती है। जीएसटी काउंसिल में राज्यों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेते हैं और उसी में निर्णय किया जाता है। जीएसटी से संग्रहित होने वाली राशि राज्यों को भी मिलती है तो समूचे देश में एक वस्तु पर एक ही दर लगने से अदायगी राशि एक ही होती है। जीएसटी यानी कि एक राष्ट्र एक कर की अवधारणा अटल बिहारी वाजपेई के प्रधानमंत्री काल में सामने आई थी। डॉ. विजय केलकर की अध्यक्षता में टास्क फोर्स का गठन हुआ। समान कर की बात तो सभी सरकारों द्वारा की जाती रही पर 1 जुलाई 2017 को यह व्यवस्था लागू हो सकी। हांलाकि आमनागरिकों की भारी मांग के बावजूद पेट्रोल-डीजल को अभी तक जीएसटी के दायरें में नहीं लाया जा सका है और इसका कारण भी बड़ा साफ है कि इसमें केन्द्र राज्यों की सभी सरकारों के हित जुड़े हुए हैं। पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ने और इस पर कितना कर लग रहा है इस पर तो पक्ष विपक्ष हल्ला तो बोल लेते हैं पर कभी जीएसटी के दायरें में लाने के सार्थक प्रयास नहीं कर पाये हैं।

समान कर प्रणाली की अवधारणा सबसे पहले फ्रांस में आई। 1954 में फ्रांस में जीन वेप्टिस्ट कालवर्ट जीएसटी की अवधारणा सामने लाये और इस समान कर प्रणाली की सकारात्मकता का ही परिणाम है कि दुनिया क 160 देशों में जीएसटी जैसी समान कर प्रणाली प्रचलन में है। हमारे देश में 12 प्रतिशत की स्लेब इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि दैनिक उपभोग की अधिकांश वस्तुएं इसी कर दायरें में आती है। एक हजार रु. से अधिक के कपड़े जूते से लेकर घी, तेल, मक्खन, डेयरी उत्पाद, सब्जियां, फल, मेवे सहित खाद्य पदार्थ, पेय पदार्थ, 20 लीटर पैक में पीने के पानी की बोतल, कॉटन हैण्ड बैग जूट का सामान, पत्थर और लकड़ी आदि की मूर्तियां, चश्मा, बच्चों की पेंसिल स्लेट, खेल का सामान, यहां तक कि क्लीन एनर्जी डिवाइस सहित बहुत सारी वस्तुएं इस दायरें में आती है। सीधी सी बात यह है कि यह वस्तुएं ऐशो-आराम की वस्तुएं तो है नहीं और कम से कम मध्यवर्गीय परिवार तो इन्हें खरीदता ही है तो निम्न वर्ग परिवार भी दूसरी कटौती या अपना पेट काटकर इन्हें खरिदता है। ऐसे में 12 प्रतिशत की स्लेब पर विचार निश्चित रुप से सकारात्मक संदेश देता है। बैसे भी 12 प्रतिशत की स्लेब को लेकर जो बहस छिड़ी है उसमें सकारात्मक पक्ष ही खुलकर सामने आया है और विशेषज्ञों ने इस स्लेब में किसी तरह के बदलाव को लेकर नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। ऐसे में आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में 12 प्रतिशत की स्लेब में बदलाव करते हुए देश के बड़े वर्ग को राहत दी जाती है तो यह देश की अर्थ व्यवस्था को राहत देने वाला, एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने वाला और आम जन के हित का निर्णय होगा। क्योंकि इस स्लेब के अधिकांश उत्पाद एमएसएमई सेक्टर द्वारा ही तैयार किए जाते हैं और स्लेब में बदलाव होने से इन वस्तुओं की मांग बढ़ेगी और इससे सेक्टर में ग्रोथ के साथ ही लोगों को राहत मिल सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ नगर निगम की योजनाओं का ब्लूप्रिंट: स्वच्छ, स्मार्ट और पर्यावरण-अनुकूल राजधानी की ओर बढ़ता कदम

लखनऊ । नगर निगम लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने बुधवार को नगर निगम मुख्यालय के समिति कक्ष में एक अहम प्रेस वार्ता की। यह संवाद हाल ही में हरियाणा के मानेसर में आयोजित राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय अध्यक्ष सम्मेलन की पृष्ठभूमि में आयोजित किया गया, जिसमें लखनऊ नगर निगम ने सक्रिय और प्रभावशाली सहभागिता दर्ज की।प्रेस वार्ता में महापौर ने राजधानी के लिए निगम की भावी योजनाएं साझा करते हुए बताया कि आने वाले दो महीनों में लखनऊ के सभी जोनों में पोर्टेबल कॉम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन (PCTS) लगाए जाएंगे, जिससे कचरा संग्रहण और ट्रांसफर की प्रक्रिया ज्यादा संगठित और वैज्ञानिक होगी। इसके अलावा नगर निगम शहर में पावर प्लांट लगाने की दिशा में भी कार्य कर रहा है, जिससे कचरे से ऊर्जा उत्पन्न की जा सकेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उद्देश्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि लखनऊ को टिकाऊ और स्मार्ट शहर में बदलना है।सम्मेलन में देश के विभिन्न शहरों की बेहतरीन शहरी प्रथाओं से प्रेरणा लेते हुए लखनऊ में भी कई योजनाएं शुरू की जाएंगी। इंदौर के मॉडल से सीख लेकर गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण, बायो-CNG प्लांट की स्थापना और म्युनिसिपल बॉन्ड जैसे प्रयास लखनऊ में लागू किए जाएंगे। विशाखापट्टनम की तर्ज पर वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट की क्षमता बढ़ाई जाएगी, वहीं सूरत की तरह उद्योगों को ट्रीटेड वॉटर देने की योजना पर भी काम होगा। पुणे से प्रेरित होकर नगर निगम कचरा बीनने वालों को सहकारी समिति में शामिल कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करेगा।महापौर ने यह भी बताया कि सम्मेलन में लखनऊ की भागीदारी को सराहा गया और महिला नेतृत्व को एक निर्णायक भूमिका के रूप में स्वीकार किया गया। उन्होंने कहा कि आज महिला जनप्रतिनिधि केवल उपस्थिति का प्रतीक नहीं, बल्कि नीति निर्माण की मुख्य धारा बन चुकी हैं। लखनऊ नगर निगम महिला प्रतिनिधियों को बजट प्रबंधन, प्रशिक्षण और डिजिटल शासन की दिशा में और सशक्त करने की दिशा में काम करेगा।नगर निगम द्वारा 2025-26 की पहली तिमाही में 202 करोड़ की कर वसूली की गई है, जो कि एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि अब भी 4.33 लाख भवन स्वामी टैक्स बकायेदार हैं। उन्होंने बताया कि एक जुलाई से लागू नई कर नीति के अनुसार केवल वे ही भवन स्वामी 10 प्रतिशत की टैक्स छूट के पात्र होंगे, जो पहले यूजर चार्ज जमा करेंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि समय पर टैक्स भुगतान कर स्वच्छ और स्मार्ट लखनऊ की दिशा में अपना सहयोग दें।महापौर ने यह भी बताया कि सम्मेलन उपरांत उन्होंने रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह से मुलाकात कर नगर निगम की योजनाओं और उपलब्धियों से उन्हें अवगत कराया, जिसे रक्षा मंत्री ने प्रेरणादायक बताया।नगर निगम की इस प्रेस वार्ता में पार्षद रजनी गुप्ता, पार्षद रंजीत सिंह, नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी और मीडियाकर्मी मौजूद रहे। यह संवाद लखनऊ के लिए स्वच्छता, नवाचार और सहभागिता के नए दौर की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में 22 पीसीएस अफ़सर बने आईएएस

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में प्रांतीय प्रशासनिक सेवा (पीसीएस) के 22 अधिकारियों को प्रोन्नत किया है। प्रमोशन के बाद सभी को आईएएस बनाया गया है। प्रान्तीय सेवा के कोटे की रिक्तियों के आधार पर ये सभी अफसर पीसीएस से आईएएस बने हैं। प्रमोशन पाने वाले अफसरों में ख़ुशी की लहर है। शासन की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, सहारनपुर के अपर आयुक्त भानु प्रताप यादव, यूपीएसएसएससी के परीक्षा नियंत्रक विधान जायसवाल, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव राजेश कुमार सिंह, सिद्धार्थनगर के सीडीओ बलराम सिंह, गौतमबुद्धनगर, विशेष कार्यधिकारी यमुना एक्सप्रेस—वे अथॉरिटी शैलेंद्र कुमार भाटिया, यूपीपीएससी के उप सचिव देवी प्रसाद पाल, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की सचिव अंजू लता को प्रोन्नति मिली है।

इसी तरह दिव्यांगजन सशक्तीकरण निदेशालय के संयुक्त निदेशक जयनाथ यादव, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मुरादाबाद, गुलाब चंद्र, राम सुरेश वर्मा रण विजय सिंह अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) गाजियाबाद, अपर निदेशक (प्रशासन) कृषि और अपर मेला अधिकारी कुंभ मेला दयानंद प्रसाद को प्रमोशन दिया गया है। इसके अलावा यूपीपीएससी के उप सचिव विनोद कुमार गौड़, विवेक कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक मंडी परिषद सचिन कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त और राजस्व हाथरस बसंत अग्रवाल को प्रमोशन दिया गया है। अपर जिलाधिकारी वित्त और राजस्व वाराणसी वंदिता श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी वित्त और राजस्व अयोध्या महेंद्र कुमार सिंह, बिजनौर के अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति) गौतमबुद्धनगर राजेश कुमार, उप निदेशक मंडी योगेंद्र कुमार और अपर निदेशक चिकित्सा शिक्षा निदेशालय नीलम को भी आईएएस काडर में प्रदोन्नत किया गया है।

खरीफ बुवाई के लिए पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध : सूर्य प्रताप शाही

लखनऊ, प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि किसानों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समुचित प्रबंध किए गए हैं, जिसके अंतर्गत आज प्रदेश में सहकारिता व निजी क्षेत्र के बिक्री केन्द्रों पर 14.59 लाख मीट्रिक टन यूरिया एवं 5.63 लाख मीट्रिक टन फास्फेटिक (डीएपी, एनपीके) उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। 08 जुलाई 2025 को ही कुल 32,700 मीट्रिक टन यूरिया तथा 6,566 मीट्रिक टन डीएपी और 3,559 मीट्रिक टन एनपीके उर्वरक किसानों द्वारा खरीदे गए। मंत्री शाही ने बताया कि मण्डलवार आंकड़ों के अनुसार सर्वाधिक यूरिया लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर और बरेली मण्डलों में उपलब्ध है। सहकारिता क्षेत्र के रिटेल प्वाइंट पर 1.13 लाख मीट्रिक टन यूरिया तथा जनपदों के बफर गोदामों में 1.89 लाख मीट्रिक टन यूरिया स्टॉक किया गया है। डीएपी व एनपीके की भी समान रूप से उपलब्धता सुनिश्चित है। किसानों को किसी अन्य उत्पाद की टैगिंग कर जबरन उर्वरक बेचने की शिकायत मिलती है तो संबंधित दोषियों पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस हेतु मुख्यालय स्तर पर कंट्रोल रूम (0522-2209650) तथा जनपदों में जिलाधिकारी कार्यालयों में भी किसान शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष खरीफ, 2025 में 106.05 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों की बुवाई/रोपाई का लक्ष्य है, जिसमें अब तक धान – 48%, मक्का – 51%, दलहन – 41%, तिलहन – 40% और श्रीअन्न – 29% की पूर्ति हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार भारत सरकार से निरंतर समन्वय कर रही है ताकि हर दिन की औसत खपत के अनुरूप उर्वरक की उपलब्धता बनी रहे। सीमावर्ती जनपदों में विशेष सतर्कता के साथ ओवररेटिंग, कालाबाजारी और टीजीयू गतिविधियों की निगरानी हो रही है तथा दोषियों पर एफआईआर कर कठोर कार्रवाई की जा रही है। कृषि मंत्री ने सभी जिला कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे सहकारिता विभाग से समन्वय कर जरूरतमंद किसानों तक उर्वरकों की पहुंच सुनिश्चित करें और फील्ड में जाकर किसानों से संवाद करें। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे उर्वरकों का क्रय केवल वर्तमान जरूरत के अनुसार करें और आगामी फसलों जैसे आलू, सरसों आदि के लिए अभी भंडारण न करें। सरकार किसानों की हर जरूरत के लिए प्रतिबद्ध है और कोई भी किसान उर्वरकों की कमी से वंचित नहीं रहेगा।

बीबीएयू में 'एक पेड़ मां के नाम - 2.0' अभियान के तहत 2100 पौधे एक साथ रोपित, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर बढ़ाया कदम

एजेंसी

लखनऊ, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान के अद्भुत संगम के रूप में 'एक पेड़ मां के नाम - 2.0' अभियान के तहत एक ऐतिहासिक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 2100 प्रतिभागियों ने एक ही समय, एक ही स्थान पर 2100 पौधे रोपित कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान दर्ज कराने का प्रयास किया।कार्यक्रम का आयोजन बीबीएयू के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के दिशा-निर्देशन में उत्तर प्रदेश सरकार के वन विभाग के सहयोग से किया गया। आयोजन के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार और पूर्व आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी उपस्थित रहे। यह रिकॉर्ड प्रदेश सरकार के उस व्यापक हरित अभियान का हिस्सा रहा, जिसके तहत 9 जुलाई को एक ही दिन में 37 करोड़ पौधों का रोपण किया गया।इस वृक्षारोपण अभियान की निगरानी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से आए निर्णायकों ने की। इससे पूर्व यह रिकॉर्ड असम सरकार के नाम था, जहां 17 सितंबर 2023 को 1229 लोगों ने एक साथ 1229 पौधे रोपित किए थे। बीबीएयू द्वारा किए गए प्रयास ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने पूर्व निर्धारित स्थलों पर अनुशासित ढंग से एक साथ पौधे लगाकर पर्यावरणीय चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। सभी प्रतिभागियों से अपील की गई कि वे 'माई लाइफ पोर्टल' पर अपने द्वारा रोपित पौधे के साथ फोटो अपलोड करें। चयनित श्रेष्ठ तस्वीरों को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित किया जाएगा।यह आयोजन बीबीएयू के लिए न केवल सम्मान का क्षण रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश और भारत के लिए एक प्रेरणादायक पर्यावरणीय पहल भी बन गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मात्र पौधारोपण नहीं, बल्कि मातृत्व के सम्मान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाना भी रहा।इस पहल में लखनऊ के 10–12 विद्यालयों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही बीबीएयू के शिक्षकगण, कर्मचारी, विद्यार्थी तथा वन विभाग एवं प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी वृक्षारोपण में सहभागी बने। सभी ने समर्पण और समन्वय के साथ मिलकर रिकॉर्ड बनाने की दिशा में प्रयास किया।इस अवसर पर बीबीएयू के कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, प्रॉक्टर प्रो. एम. पी. सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, विद्यार्थी तथा आमंत्रित अतिथिगण भी मौजूद रहे।यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार बनाने की दिशा में एक उल्लेखनीय योगदान सिद्ध होगा।

मधुशाला नहीं पाठशाला चाहिए- संजय सिंह ने जौनपुर से शुरू किया स्कूल बचाओ अभियान, कहा– 27000 स्कूल बंद और 27308 मधुशालाएं खुलीं, ये कैसा विकास?

एजेंसी

जौनपुर, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने बुधवार को जौनपुर के प्राथमिक विद्यालय मीरगंज खास से 'स्कूल बचाओ अभियान' की शुरुआत करते हुए योगी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक ओर राज्य सरकार 27000 सरकारी स्कूलों को बंद करने जा रही है, वहीं दूसरी ओर 27308 नई शराब की दुकानों (मधुशालाओं) को मंजूरी दे चुकी है। "हमें मधुशाला नहीं, पाठशाला चाहिए," कहते हुए संजय सिंह ने ऐलान किया कि वे बच्चों की अपील को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे।संजय सिंह ने कहा कि कई जिलों में स्कूल बंद करने के आदेश पहले ही लागू हो चुके हैं। जौनपुर जिले के सिकरारा विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मीरगंज खास को बंद कर, वहां पढ़ने वाले बच्चों को तीन किलोमीटर दूर एक अन्य विद्यालय में भेजने के आदेश ने स्थानीय अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा, "बच्चे रो रहे हैं, उनके माता-पिता रो रहे हैं। ये बच्चे गरीब घरों से आते हैं, उनके लिए यह स्कूल ही सब कुछ है।"स्थानीय लोगों ने सांसद से मिलकर बताया कि नए स्कूल तक जाने के लिए बच्चों को फोर लेन हाइवे पार करना पड़ता है, जो उनके लिए बेहद खतरनाक है। संजय सिंह ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "अगर कल को किसी बच्चे के साथ कोई दुर्घटना हो जाए तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?"उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार देता है, और यह भी कहता है कि एक किलोमीटर के दायरे में स्कूल उपलब्ध होना चाहिए। लेकिन जो विलय किया गया है, वह नियमों के प्रतिकूल है।संजय सिंह ने मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की, "आपसे हाथ जोड़कर कहता हूं – इन बच्चों का स्कूल फिर से खोलिए। इनके माता-पिता बेहद गरीब हैं और बड़ी मुश्किल से बच्चों को पढ़ा रहे हैं। जब से स्कूल बंद हुआ है, बच्चे पढ़ाई से वंचित हैं।"उन्होंने घोषणा की कि आम आदमी पार्टी पूरे उत्तर प्रदेश में उन गांवों में जाएगी जहां सरकारी स्कूल बंद किए जा चुके हैं। बच्चों, अभिभावकों से बात करेगी और अगर ज़रूरत पड़ी तो आंदोलन भी छेड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि वह खुद गांव-गांव जाकर स्थिति का जायजा लेंगे और इस मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट तक लेकर जाएंगे।कार्यक्रम के अंत में संजय सिंह ने स्थानीय लोगों के साथ पदयात्रा कर उस स्कूल तक भी गए जिसमें मीरगंज खास विद्यालय का विलय किया गया है। उन्होंने दोहराया, "हम बच्चों की शिक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करेंगे। ये लड़ाई अब सिर्फ स्कूल की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की है। आम आदमी पार्टी इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी।"

कैरेटलेन करेगी उत्तर प्रदेश में बड़ा विस्तार, लखनऊ सहित आठ नए शहरों में खुलेंगे स्टोर

एजेंसी

लखनऊ, टाइटन कंपनी लिमिटेड के 100 प्रतिशत स्वामित्व वाले भारत के अग्रणी ओम्नी-चैनल ज्वेलरी ब्रांड कैरेटलेन ने उत्तर प्रदेश को अपने क्षेत्रीय विस्तार की रणनीति में केंद्र में रखते हुए एक नया अभियान शुरू किया है। शहरी और उभरते बाज़ारों में आभूषणों की बढ़ती मांग और डिजिटल व ऑफलाइन माध्यमों में लगातार बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए ब्रांड राज्य में अपनी उपस्थिति को व्यापक बनाने जा रहा है।कैरेटलेन के मैनेजिंग डायरेक्टर सौमेन भौमिक ने बताया कि उत्तर प्रदेश अपने विशाल बाजार और उपभोक्ता व्यवहार में हो रहे परिवर्तन के चलते ब्रांड के लिए एक प्रमुख प्रदेश बन गया है। उन्होंने कहा, "ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में यहां लगातार वृद्धि हो रही है। हम उपभोक्ताओं से रिश्ते और गहरे करने तथा उनकी खरीदारी की आदतों में नवाचार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"वित्तीय वर्ष 2025-26 में कैरेटलेन उत्तर प्रदेश में 15 नए स्टोर खोलने की योजना बना रहा है। इनमें आठ स्टोर टियर-2 और टियर-3 शहरों में जैसे जौनपुर, आज़मगढ़, रायबरेली, मुज़फ्फरनगर, सुलतानपुर, गाज़ीपुर आदि में खोले जाएंगे। इसे राज्य में ब्रांड के विस्तार की अगली लहर के रूप में देखा जा रहा है।ब्रांड ने घोषणा की है कि लखनऊ में अगले सप्ताह एक नया स्टोर खोला जाएगा, जो न केवल एक रिटेल केंद्र होगा बल्कि उपभोक्ताओं के साथ ब्रांड की बढ़ती लोकप्रियता का भी प्रतीक बनेगा।कैरेटलेन का यह कदम प्रदेश के आभूषण बाजार में प्रतिस्पर्धा को नई दिशा देने के साथ-साथ उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक डिजाइन और खरीद के नए अनुभव भी प्रदान करेगा।

लखनऊ नगर निगम का ऐतिहासिक पर्यावरणीय अभियानः एक दिन में लगाए गए 1,37,312 पौधे

एजेंसी

लखनऊ, पर्यावरण संरक्षण को जनांदोलन बनाने की दिशा में लखनऊ नगर निगम ने बुधवार को एक ऐतिहासिक पहल करते हुए 'एक पेड़ मां के नाम - 2.0' अभियान के तहत एक ही दिन में 1,37,312 पौधों का सामूहिक वृक्षारोपण कर प्रदेश में एक नई मिसाल कायम की। राजधानी के आम्रपाली योजना, दुबग्गा में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पार्षदगण और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत नोएडा के विधायक और प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह द्वारा लाल चंदन का पौधा लगाकर की गई। उन्होंने इस अवसर पर लखनऊ नगर निगम द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए इसे भावी पीढ़ियों को समर्पित एक प्रेरणादायक प्रयास बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल ने की, जिन्होंने रुद्राक्ष का पौधा रोपित कर प्रकृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की।इस आयोजन में उप नेता पार्षद दल सुशील तिवारी 'पम्मी', पूर्व जिला अध्यक्ष श्रीकृष्णा लोधी, पार्षदगण रोशनी रावत, कमलेश पटेल, अनुराग मिश्रा अन्नू, धर्मेंद्र सिंह, सी.बी. सिंह, अजय दीक्षित और गीता देवी सहित कई गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, नम्रता सिंह, अरुण कुमार गुप्त और डॉ. अरविंद कुमार राव सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारियों और उद्यान विभाग की टीम ने आयोजन की सफलता में अहम भूमिका निभाई।अपर नगर आयुक्त (उद्यान) डॉ. अरविंद कुमार राव के मार्गदर्शन में अभियान के अंतर्गत भरावन कला में 14,314, जानकीपुरम थर्ड वार्ड (रसूलपुर कायस्त) में 81,800 और शहर के विभिन्न पार्कों में 41,198 पौधे लगाए गए। इस अभियान में आम, सिंदूर बेल, आंवला, पीपल, नीम, बॉटल ब्रश, जामुन, कचनार, इमली, पाकड़, बरगद, रुद्राक्ष, पारिजात और अर्जुन जैसी विविध प्रजातियों के पौधों का रोपण

किया गया, जो पर्यावरणीय संतुलन को मजबूती प्रदान करेंगे।महापौर सुषमा खर्कवाल ने अपने संबोधन में कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान केवल हरियाली बढ़ाने की पहल नहीं, बल्कि यह धरती माता और जीवनदायिनी प्रकृति के प्रति सम्मान प्रकट करने का माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे लगाए गए पौधों को सिर्फ रोपित ही न करें, बल्कि उन्हें पालें और संरक्षित करें ताकि यह अभियान जन-जन की भागीदारी वाला एक सशक्त आंदोलन बने।नगर निगम द्वारा किए गए इस सामूहिक वृक्षारोपण ने न केवल पर्यावरणीय चेतना को प्रोत्साहित किया, बल्कि लखनऊ को हरित राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम भी बढ़ाया है।

उत्तर प्रदेश बना जूपी लूडो का सबसे बड़ा यूज़र बेस, लखनऊ में 2 बिलियन से अधिक बार खेला गया गेम

एजेंसी

लखनऊ, भारत के अग्रणी ऑनलाइन स्किल-बेस्ड गेमिंग प्लेटफॉर्म जूपी ने उत्तर प्रदेश में अपनी जबरदस्त लोकप्रियता की घोषणा करते हुए बताया कि राज्य अब जूपी लूडो का सबसे बड़ा यूज़र बेस बन गया है। प्रदेश में 1.5 करोड़ से अधिक लोग इस गेम को खेल रहे हैं, वहीं राजधानी लखनऊ में यह गेम अब तक 2 बिलियन से अधिक बार खेला जा चुका है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि यह दर्शाता है कि किस प्रकार सांस्कृतिक रूप से जुड़े खेल अब डिजिटल रूप में नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं।जूपी, जिसने भारत में स्किल-बेस्ड कैजुअल गेमिंग की शुरुआत की थी, अब डिजिटल भारत के विस्तार में अहम भूमिका निभा रहा है। उत्तर प्रदेश ने इस यात्रा को गति दी है और यह प्रमाणित कर दिया है कि यह राज्य न केवल गेमिंग में भागीदारी कर रहा है, बल्कि एक नई दिशा भी तय कर रहा है। बीते एक वर्ष के दौरान राज्य में 30 लाख से अधिक नए यूज़र जुड़े हैं, जो यह दर्शाता है कि लूडो जैसे पारंपरिक खेल, जब डिजिटल स्किल-बेस्ड फॉर्मेट में प्रस्तुत किए जाते हैं, तो वे नई पीढ़ी से लेकर हर वर्ग तक गहराई से जुड़ जाते हैं।जूपी लूडो की सफलता का एक बड़ा कारण उसका सहज और न्यायपूर्ण खेल का मॉडल है। इसका डाइस-लेस फॉर्मेट और मूव-बेस्ड स्कोरिंग सिस्टम गेम को केवल भाग्य आधारित नहीं, बल्कि रणनीति और कौशल आधारित बनाता है। इसने लोगों की सोच को बदला है कि लूडो सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि मानसिक कौशल का भी खेल हो सकता है। यही कारण है कि यह गेम अब टियर-2, टियर-3 शहरों और ग्रामीण इलाकों में विशेष रूप से लोकप्रिय हो चुका है।जूपी के चीफ़ स्पोकपर्सन गोविंद मित्तल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कंपनी ने एक रोमांचक और प्रेरक यात्रा तय की है। लखनऊ जैसे शहरों में जूपी लूडो की बढ़ती लोकप्रियता यह दर्शाती है कि लोगों का इस गेम से भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव बेहद मजबूत है। उन्होंने यह भी बताया कि बीते वर्ष महिलाओं की भागीदारी में 60% की वृद्धि हुई है, जिससे यह प्लेटफॉर्म अब लैंगिक समानता की ओर भी मजबूती से बढ़ रहा है।इस उपलब्धि के साथ जूपी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि स्किल-बेस्ड गेमिंग अब सिर्फ महानगरों तक सीमित नहीं, बल्कि गांवों और छोटे कस्बों से होते हुए पूरे देश में डिजिटल मनोरंजन की मुख्यधारा बन रही है। जूपी का यह समावेशी दृष्टिकोण आज हर वर्ग, आयु और पृष्ठभूमि के लोगों को जोड़ रहा है। भारत के सबसे पसंदीदा पारंपरिक खेल लूडो को जब जूपी ने नए रूप में पेश किया, तो उसने न केवल गेमिंग की परिभाषा को बदला बल्कि पूरे देश में एक भरोसेमंद और जिम्मेदार गेमिंग अनुभव को स्थापित किया।आज जूपी के पास पूरे देश में 15 करोड़ से अधिक रजिस्टर्ड यूज़र्स और 1250 करोड़ से अधिक गेमप्ले दर्ज हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश के लोग जिस उत्साह और भागीदारी से इस डिजिटल परिवर्तन का हिस्सा बने हैं, वह साबित करता है कि भारत के गेमिंग क्षेत्र का भविष्य गांव, कस्बों और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा है – और इस बदलाव की अगुवाई कर रहा है उत्तर प्रदेश।

बसुन्धरा प्रेक्षागृह वाराणसी, पूर्वोत्तर रेलवे में आयोजित हुआ अंतर मंडलीय रेसुब वॉलीबॉल प्रतियोगिता

उजाला संचार

वाराणसी। वाराणसी मंडल द्वारा अंतर मंडलीय रेलवे सुरक्षा बल वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल यस रामाकृष्णनन के नेतृत्व में वसुंधरा प्रेक्षागृह वाराणसी में किया गया है। आज के मैच के मुख्य अतिथि श्री अजय सिंह एडीआरएम, (इंफ्रा) को क्रीड़ा अधिकारी ससुआ नागेन्द्र महादेव यादव द्वारा बुके देकर सम्मानित किया गया तथा मुख्य अतिथि द्वारा फीता काटकर मैच का शुभारंभ किया गया, खिलाड़ियों को खेलभावना से खेलने का संदेश दिया

गया।खिलाड़ियों के हौसला अफजाई हेतु अन्य पोस्टों के प्रभारी व स्टाफ उपस्थित रहे। आज के मैच का विवरण इस प्रकार है-

पहला मैच-

वाराणसी मंडल व लखनऊ मंडल

1- 23-25 विजेता-LKO
2-25-12 विजेता-BSB
3-25-18 विजेता-BSB
ओवरऑल विजेता वाराणसी मंडल

दूसरा मैच-

बरेका- इज्जत नगर मंडल

1- 25-22 विजेता-केठ
2-25-13 विजेता-केठ
ओवरऑल विजेता इज्जत नगर मंडल

वाराणसी मंडल की ओर से श्री अभय कुमार राय व इज्जत नगर की टीम से श्री विजय द्वारा शानदार प्रदर्शन किया गया है। अरेफरी की भूमिका आलोक राय भारतेंदु पांडे व शशिकांत यादव द्वारा निभाई गई। मैच आयोजनकर्ता निरीक्षक राजेश कुमार, रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बनारस, निरीक्षक अजय कुमार सिंह, रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मऊ व निरीक्षक दयाशंकर यादव, रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज रामबाग, सहायक सुरक्षाआयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल सह क्रीड़ा अधिकारी, वाराणसी मंडल।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंतर्राष्ट्रीय किकबॉक्सर सुधीर सक्सेना को खेल और समाज सेवा में योगदान के लिए किया सम्मानित

चंडीगढ़। हरियाणा सचिवालय में आज एक विशेष समारोह में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अंतर्राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग खिलाड़ी सुधीर सक्सेना को उनके खेल में अद्भुत प्रदर्शन और समाज सेवा में सक्रिय भूमिका के लिए सम्मानित किया। यह सम्मान न केवल उनके अंतर्राष्ट्रीय पदकों की उपलब्धि को दशार्ता है, बल्कि एक ऐसे युवा की प्रेरणादायक यात्रा को भी सलाम करता है, जिसने गांव से निकलकर वैश्विक मंच तक अपनी पहचान बनाई है।

सुधीर ने हाल ही में कंबोडिया में आयोजित एशियन किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक और दिल्ली में आयोजित 43ँ इंडिया ओपन किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित किया है।

लहासानी गांव से अंतर्राष्ट्रीय रिंग तक का सफर

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के लहासानी गांव से आने वाले सुधीर सक्सेना का शुरूआती सफर संघर्षों से भरा रहा। सीमित संसाधनों और सुविधाओं के बावजूद, उन्होंने अपने जज्बे, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर खुद को स्थापित किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सम्मान समारोह में कहाः

सुधीर सक्सेना केवल एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि युवा शक्ति और भारत की हिम्मत का प्रतीक हैं। उनका जीवन दशार्ता है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

मैदान में विजेता, समाज में मार्गदर्शक खेल की दुनिया में सफलता पाने के बाद सुधीर ने समाज सेवा को भी अपना उद्देश्य बना लिया। वे देशभर में कई स्वयंसेवी संगठनों के साथ मिलकर ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य जागरूकता और खेल प्रशिक्षण के लिए काम कर रहे हैं।

उनकी इस सामाजिक यात्रा में गौरवी फाउंडेशन और महेश वर्मा व सुमित चौधरी जैसे समर्थकों का विशेष योगदान रहा है, जिन्होंने सुधीर की पहलों को जमीन पर साकार रूप देने में मदद की।

सुधीर ने इस अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक का भी आभार प्रकट किया, जिन्होंने उन्हें पहले गणतंत्र दिवस पर एमडी और सीईओ श्री अशोक चंद्रा द्वारा सम्मानित किया था।

परिवार और मित्रः प्रेरणा के स्तंभ

सुधीर ने इस सम्मान को अपने पिता श्री सुरेश सक्सेना को समर्पित किया, जिन्होंने हमेशा उन्हें आत्मबल और नैतिक मूल्यों की प्रेरणा दी। उन्होंने अपनी पत्नी प्रियंका गौतम का भी विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिनके समर्थन और विश्वास ने उन्हें हर कदम पर मजबूत बनाया।

मेरी हर सफलता के पीछे मेरा परिवार, मेरे दोस्त और मेरे मार्गदर्शक हैं। यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, उन सभी का है जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया, सुधीर ने कहा।

देश के युवाओं के लिए प्रेरणा

सुधीर ने देश के युवाओं को संदेश देते हुए कहाः चाहे आप शहर से हों या किसी छोटे गांव से, अगर आपके सपनों में सच्चाई और मेहनत हो, तो कोई भी सीमा नहीं होती। और जब आप आगे बढ़ें, तो समाज को देना न भूलें।

भविष्य की दिशा अब सुधीर का लक्ष्य है कि वे भारत का प्रतिनिधित्व आगामी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में करें और साथ ही देशभर में ग्रामीण खेल अकादमियों की स्थापना करें, ताकि प्रतिभावान युवाओं को सही दिशा और प्रशिक्षण मिल सके।

हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा सुधीर सक्सेना को दिया गया यह सम्मान केवल पदक के लिए नहीं, बल्कि उनके समाज को वापस देने की भावना और युवा भारत को प्रेरित करने की दिशा में उनके समर्पण के लिए है। सुधीर की कहानी इस बात की मिसाल है कि सच्चे चैंपियन सिर्फ मैदान में नहीं, समाज में भी बदलाव लाते हैं।

जसप्रीत बुमराह वापसी को तैयार, लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट से पहले अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

लंदन (एजेंसी)। लंदन = जसप्रीत बुमराह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं क्योंकि भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज ने लॉर्ड्स टेस्ट से पहले नेट सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया। उन्होंने लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी करने के बाद बाएं हाथ की स्पिन और थ्रोडाउन के खिलाफ बल्लेबाजी का भी अभ्यास किया। कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन में यह स्पष्ट कर दिया था कि गेंदबाजी के बोझ के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर रहने वाले बुमराह फिर से मैदान पर उतरेंगे।

तीसरे टेस्ट से पहले टीम के पहले सत्र में बुमराह काफी जोश में नजर आए। उन्होंने लगातार अपने साथी खिलाड़ियों और कई बार भारतीय मीडिया से भी बातचीत की। पूरी संभावना है कि एकादश में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह को मौका दिया जाएगा। बुमराह ने सत्र में धीरे-धीरे पूरी ताकत से गेंदबाजी की लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने और भी कड़ी मेहनत की और करीब एक घंटे तक गेंदबाजी की। पिच से बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। ऐसे में यह देखना होगा कि भारत एजबेस्टन की तरह दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरता है या नहीं। नितीश रेड्डी चौथे तेज गेंदबाज के विकल्प थे। गिल, लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। पहले दो टेस्ट मैच खेलने वाले सिराज ने भारतीय तेज गेंदबाजों में सबसे अधिक ओवर फेंके हैं। सिराज हमेशा मैदान पर अपना शत प्रतिशत देते हैं लेकिन भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि उनके काम के बोझ का प्रबंधन किया जाएगा।

कोटक ने कहा, 'काम के बोझ का प्रबंधन केवल बुमराह के लिए नहीं है। हर गेंदबाज की फिटनेस, हर गेंदबाज की समस्या अलग होती है। लेकिन मुझे लगता है कि बीच में पर्याप्त आराम मिलता है। इस मैच के बाद लंबा ब्रेक है। लेकिन सिराज ऐसे खिलाड़ी हैं जो बहुत गेंदबाजी करते हैं।% ल्लेबाजों में करुण नायर और साई सुदर्शन ने लंबे समय तक बल्लेबाजी की। नायर ने अब तक श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है।

सीरीज को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकते : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि अभी से ये नहीं कहा जा सकता है कि एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज कौन सी टीम जीतेगी। अभी दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। वहीं 3 मैच होने हैं जिससे सीरीज के परिणाम तय होंगे। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की जीत के बाद गांगुली स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की है। साथ ही कहा कि आगे के मैचों में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी पर कहा कि सीरीज में अभी तीन मैच शेष हैं, इसलिए परिणाम के बारे में अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। गांगुली ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम पहले दो मैचों की तरह ही तीसरे मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी करेगी। साथ ही, उम्मीद करता हूं कि टीम 20 विकेट लेने में भी सफल रहेगी, जिससे जीत मिलने की संभावना बढ़ जाये। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अगले टेस्ट में जसप्रीत बुमराह भी टीम में आ जाएंगे। इससे हमारी गेंदबाजी और भी बेहतर हो जाएगी और हम इंग्लैंड के 20 विकेट आसानी से ले सकेंगे।

शुभमन गिल ने लगाई 15 स्थान की लम्बी छलांग, टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में अपने जबरदस्त प्रदर्शन की बदौलत 15 पायदान ऊपर चढ़कर टेस्ट रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक हमवतन जो रूट को पछाड़ कर शीर्ष पर पहुंच गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग के अनुसार एजबस्टन में पहली पारी में 158 रन बनाने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अपने साथी जो रूट को पछाड़ कर जगह शीर्ष स्थान हासिल किया है और अब रूट से 18 अंक आगे हो गए हैं। जो रूट अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दूसरे टेस्ट में 269 और 161 रनों की ऐतिहासिक पारियां खेलने वाले भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल 15 स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ 807 रेटिंग अंक हैं। इसके अलावा केन विलियमसन (तीसरे), यशस्वी जायसवाल (चौथे) और स्टीवन स्मिथ (पांचवें) हैं। अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 184 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जेमी स्मिथ को भी फायदा हुआ है, वह 16 पायदान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गए। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका ऑलराउंडर वियान मुल्डर को बल्लेबाजों और ऑलराउंडरों, दोनों की रैंकिंग में फायदा हुआ है।

श्रीलंका के शीर्ष स्पिनर हसरंगा बंगलादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर

कैंडी । श्रीलंका के शीर्ष स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोट के कारण बंगलादेश के खिलाफ शुक्रवार से शुरु होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर हो गए है । बंगलादेश के खिलाफ पहले एकदिवसीच मैच में श्रीलंका को मैच में वापसी दिलाने हसरंगा आखिरी एकदिवसीय मैच के दौरान चोटिल हो गए थे । मेजबान टीम श्रीलंका ने यह एकदिवसीय सीरीज 2-1 से जीती ली थी । हसरंगा के स्थान पर अभी तक किसी अन्य खिलाड़ी का चयन नहीं किया गया है। वह कोलंबो लौटकर हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया शुरू करेंगे। चरित असालंका श्रीलंकाई टीम की कप्तानी करेंगे।

श्रीलंका टीम : चरित असालंका (कप्तान), पथुम निसंका, कुसल मेंडिस, दिनेश चांडीमल, कुसल परेरा, कामिंडु मेंडिस, अविष्का फर्नांडो, दासुन शनाका, डुनिथ वेलालेज, महीश थीक्षाना, जेफरी वांडरसे, चमिका करुणारत्ने, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, बिनुरा फर्नांडो और ईशान मलिंगा।

पंड्या इस कारण नहीं खेलते टेस्ट क्रिकेट

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है और वह केवल सीमित ओवरों (एकदिवसीय ओर टी20) प्रारुप के लिए भी उपलब्ध होते है। पंड्या ने अंतिम बार साल 2018 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। वहीं साल 2021 में पंड्या ने टेस्ट टीम में वापसी की थी पर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। इसके बाद 2021 टी20 विश्व कप के बाद, पंड्या ने खेल से ब्रेक लिया और आईपीएल 2022 में वापसी की। पंड्या ने करियर में भारत के लिए 11 मैचों की 18 पारियों में कुल 532 रन बनाए हैं। इसके अलावा 19 पारियों में गेंदबाज करते हुए उन्होंने 17 विकेट लिए हैं। उनके टेस्ट मैच न खेलने का मुख्य कारण फिटनेस है। वह अपने करियर में चोटों से काफी परेशान रहे हैं। उन्हें कई बार चोट का सामना करना पड़ता है। इसी कारण वह अपने करियर को लंबा बनाये रखने टेस्ट से दूरी बनाये हुए हैं। उनके पीठ का दर्द उनके टेस्ट क्रिकेट न खेलने के पीछे के कारणों में से एक है। पंड्या ने भी एक बार कहा था कि वह टेस्ट क्रिकेट खेलकर अपनी पीठ को जोखिम में डाल सकते हैं। उन्होंने कहा था कि मैं खुद को एक बैक-अप सीमर मानता हूं। पीठ की सर्जरी के बाद मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना परेशानी खड़ी कर सकता है हालांकि अगर वह केवल टेस्ट ही खेलते और सीमित ओवरों के लिए उन्हें अवसर नहीं मिलता तो वे टेस्ट खेल सकते थे।

दक्षिण अफ्रीका की जिम्बाब्वे पर 20 साल में सबसे बड़ी जीत, श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया

बुलावायो (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मंगलवार को यहां जिम्बाब्वे की दूसरी पारी को 220 रन पर समेट कर उसे पिछले 20 साल में पारी से सबसे बड़ी शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने महज तीन दिन के अंदर पारी और 236 रन की शानदार जीत दर्ज की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया।

दक्षिण अफ्रीका ने कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन के दम पर पांच विकेट पर 626 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जिम्बाब्वे की टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 43 ओवर में 170 रन पर आउट हो गई थी जिसके बाद उसे फॉलोऑन दिया गया। टीम मंगलवार को अपनी दूसरी पारी में 220 रन पर आउट हो गई। जिम्बाब्वे की टीम ने इस मैच में कुल 390 रन बनाए जो मुल्डर के स्कोर से सिर्फ 23 रन अधिक था।

मुल्डर का चोटिल टेम्बा बावुमा और केशव महाराज की अनुपस्थिति में कप्तान के तौर पर यह पहला टेस्ट मैच था। उन्होंने बल्ले से योगदान देने के साथ तीन विकेट भी चटकाए और तीन कैच लपके। वह मैच और श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये। जिम्बाब्वे ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में एक विकेट पर 51 रन से की थी और सुबह के सत्र में टीम ने दो विकेट गंवाए, जिसमें अनुभवी सीन विलियम्स भी शामिल थे।

विलियम्स ने मुल्डर की गेंद को रोकने की कोशिश की और 11 रन पर अपना ऑफ स्टंप गंवा बैठे। लंच से पहले निक वेल्च (55) ने अपने पांचवें टेस्ट में अपना तीसरा अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इसके तुरंत बाद सेनुराम मुथुसामी की गेंद पर मुल्डर के हाथों कैच आउट हो गये। वेल्च का विकेट गिरने के बाद टीम ने 28 ओवरों में 67 रन पर बाकी के सात विकेट गंवा दिये। कप्तान क्रेग एर्विन ने एक छोर से संभल कर खेलते हुए 95 गेंदों में 49 रन की जुझारू पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका के लिए कॉर्बिन बॉश ने चार जबकि मुथुसामी ने तीन और कोडी यूसुफ दो विकेट लिए। जिम्बाब्वे ने बुलावायो में अपना पिछला मैच 2001 में जीता था। उसने इस दौरान 22 टेस्ट खेले और इनमें से 17 में हार का सामना करना पड़ा।

एशियाई चैंपियनशिप पर रहेंगी मनु की नजरें

पेरिस । ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर का लक्ष्य अब कजाकिस्तान में होने वाली 16वीं एशियाई चैंपियनशिप में जीत दर्ज करना रहेगा। 16 से 30 अगस्त तक होने वाले इस टूर्नामेंट में केवल मनु ही दो व्यक्तिगत स्पर्धा में भाग लेंगी। वहीं निशाने बाजी महासंघ ने सात से 15 सितंबर तक चीन के निंगबो में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप के लिए सीनियर टीम की घोषणा भी कर दी है। इस प्रमुख एशियाई प्रतियोगिता के लिए सीनियर टीम में 35 निशानेबाज हैं जो तीन मिश्रित टीम सहित 15 स्पर्धाओं में भाग लेंगे। मनु इसमें महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन और ओलंपियन राही सरनोबत भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं सीनियर टीम में वापसी करने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में पुरुष एयर राइफल के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और ओलंपियन अंजुम मौदगिल, ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, सौरभ चौधरी और केनान चेनाई भी शामिल हैं। ईशा सिंह, मेहुली घोष और किरण अंकुश जाधव दोनों सीनियर टीम में हैं। वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ द्वारा घोषित अन्य टीमें सितंबर-अक्टूबर में होने वाले आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप और जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के लिए हैं। जो सीनियर प्रतियोगिता के साथ ही होगी!

आर्चर बन सकते हैं शुभमन के लिए चुनौती : ब्रॉड

लॉर्ड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि यहां होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के लिए मुसीबत बन सकते हैं। इसका कारण है कि आर्चर के खिलाफ टेस्ट में शुभमन सफल नहीं रहे है। शुभमन ने इस सीरीज के पहले दोनो ही मैचों में शतक लगाये हैं। इससे ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। शुमभन अब तक वह सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। हालांकि ब्रॉड और जोस बटलर का मानना है कि जोफ्रा के खिलाफ उनके लिए रन बनाना आसान नहीं रहेगा।

भारतीय कप्तान ने एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक भी लगाया थाहै। इंग्लैंड के गेंदबाज उन्हें बड़ी मुश्किल से आउट कर पाये हैं। उन्होंने सीरीज के शुरुआती दो मैचों की चार पारियों में 146.25 के औसत से 585 रन बनाए हैं। ब्रॉड और बटलर ने तीसरे मैच में आर्चर के संभावित प्रभाव पर बात करते हुए कहा कहा, वह बस शानदार फॉर्म में थे। ऐसा नहीं लग रहा था कि उन्हें कुछ दिक्कत हो सकती है। उनसे कुछ गलत नहीं किया। विराट कोहली के संन्यास लेने के बाद से, वह नंबर चार पर आ गए हैं और शतक, एक बड़ा दोहरा शतक, एक बड़ा 150 रन बना चुके हैं बस कमाल है। ऐसा लगता है कि उनकी कोई कमजोरी नहीं है।

वहीं जोस बटलर ने कहा, मुझे लगता है कि जो गेंद पिच होने के बाद अंदर आती है और उसमें वह बोल्ड होते हैं। जोफ्रा आर्चर लॉर्ड्स में टीम में वापसी करेंगे वह ऐसी ही गेंदें करते है। उन्होंने आईपीएल में शुभमन को बोल्ड किया था लेकिन इसके अलावा, वह एक बहुत ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं। भारत तकनीकी रूप से कई बेहतरीन खिलाड़ी तैयार करता है।

आर्चर को बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच से पहले स्क्वॉड में शामिल किया गया था पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। आर्चर चार साल बाद टेस्ट प्रारूप में खेलने के लिए उतरेंगे। उन्होंने ससेक्स के लिए एक मैच खेला है। शुभमन ने तीन पारियों में आर्चर का सामना किया है। जिसमें उन्होंने 18 रन बनाए हैं और दो बार आउट हुए हैं। आर्चर की तेजी भी भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी बन सकती है।

साल्ट का बल्ला जांच में सही पाया गया : ईसीबी

लंदन । आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम में शामिल रहे फिल सॉल्ट पर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में बल्ले के गेज को लेकर धोखाधड़ी के आरोप लगे थे पर बाद में वह इस मामले में बरी हो गये हैं। साल्ट को वाइटैलिटी ब्लास्ट में नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स के खिलाफ लंकाशायर लाइटनिंग के मैच में लक्ष्य का पीछा करते समय पहले ओवर में ही सवाल उठे थे। तब अंपायर ने सॉल्ट के बल्ले का आकार मापने के लिए बैट-गेज की जांच की थी। यह एक नियमित प्रक्रिया है, जिससे यह तय किया जाता है कि बल्ला निर्धारित मापदंडों के अंदर बना है या नहीं पर उस समय उनका बल्ला बल्ला-गेज से नहीं गुजर पाया और उसे टेस्ट में असफल घोषित कर दिया गया। पहली बार में टेस्ट में फेल होने के बाद सॉल्ट के बल्ले का गेज मैच के बाद भी देखा गया। इस दौरान उनका बल्ला जांच में पास हो गया। इसके बाद भी अंपायर्स ने बल्ले को आगे की जांच के लिए भेज दिया। लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने कहा है कि बल्ला उसमें भी सही पाया गया है। ऐस में इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एंटी-करप्शन कोड के किसी भी उल्लंघन से भी इस क्रिकेटर को दोषमुक्त कर दिया गया। सॉल्ट का कहना था कि वह पिछले दो साल से यही बल्ला इंग्लैंड, लंकाशायर और आईपीएल में इस्तेमाल करते रहे है और इस पर किसी ने भी कभी कोई आपत्ति नहीं उठाई गई थी।

पहलवान सुशील कुमार ने रेलवे में अपनी ड्यूटी फिर से शुरू की, 2021 से हत्या के आरोप में जेल में थे

कोलकाता (एजेंसी)। नई दिल्ली = दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार ने एक हाई-प्रोफाइल हत्या मामले में जमानत मिलने के बाद आधिकारिक तौर पर उत्तर रेलवे में अपनी ड्यूटी फिर से शुरू कर दी है। कभी भारतीय कुश्ती का चेहरा माने जाने वाले इस प्रतिष्ठित एथलीट ने इस हफ्ते की शुरुआत में रेलवे कार्यालय में रिपोर्ट की जो अदालतों से प्रशासनिक कार्यों की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव का संकेत है।

सुशील साथी पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के सिलसिले में 2021 से न्यायिक हिरासत में थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मार्च की शुरूआत में मुकदमे की प्रक्रिया में लंबी देरी का हवाला देते हुए उन्हें जमानत दी थी। हालांकि जाच अभी भी जारी है और उनकी कानूनी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन जमानत ने उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में अपनी स्थिति फिर से हासिल करने का मौका दिया है।

रेलवे सूत्रों ने के मुताबिक वर्तमान में उत्तर रेलवे में वरिष्ठ वाणिज्यिक प्रबंधक के पद पर नियुक्त कुमार औपचारिक पोशाक में ड्यूटी पर आए और मीडिया की बढ़ती दिलचस्पी के बीच कम प्रोफाइल बनाए रखी। अधिकारियों ने उनकी बहाली की पुष्टि करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया सेवा नियमों के अनुसार की गई। उनकी वापसी पर जनता की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही है। जहां कुछ लोगों ने हत्या के एक मामले में आरोपी व्यक्ति की बहाली की आलोचना की है, वहीं कुछ का तर्क है कि दोषी साबित होने तक सुशील निर्दोष हैं और अपनी पेशेवर जिम्मेदारियां फिर से शुरू करने के हकदार हैं।

कभी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले कुमार का ओलंपिक पोडियम (बीजिंग 2008 में कांस्य और लंदन 2012 में रजत) से लेकर हत्या के आरोपी बनने तक का सफर पूरे देश को स्तब्ध कर गया है। फिलहाल यह कुश्ती स्टार चुपचाप अपनी सामान्य जिंदगी में लौटने पर ध्यान केंद्रित करता दिख रहा है। हालांकि अदालती कार्यवाही अभी भी जारी है और इस मामले का साया उनकी वापसी की कोशिशों पर मंडरा रहा है।

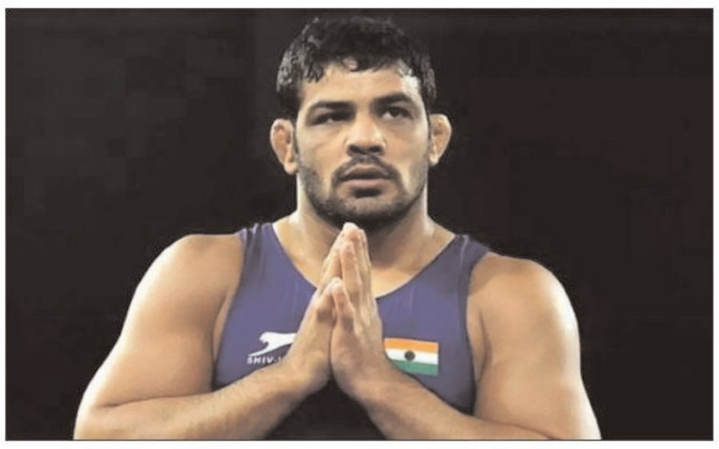

मणिपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बड़ी संख्या में हथियार किए बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस की संयुक्त टीमों ने अलग-अलग अभियानों के दौरान महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। हाल ही में बिष्णुपुर जिले के मोइरांग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत उयुंगमाखोंग क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। इस दौरान एक खाली मैगजीन के साथ एके-56 राइफल, एक .303 राइफल, एक डबल बैरल बंदूक और जिंदा गोलियां बरामद हुई हैं। इसी दिन फौगाकचाओ पुलिस स्टेशन क्षेत्र के दोपकोन और नगानुकोन गांवों के बीच तलाशी अभियान में एक 303 लाइट मशीन गन, दो सिंगल बैरल बंदूकें, एक खाली मैगजीन, सात जिंदा 12 बोर कारतूस और करीब 3.9 किलोग्राम वजन के चार आईईडी (विस्फोटक सामग्री) बरामद किए गए। इसके अलावा, मणिपुर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने तुपुल पुल के पास चुराचांदपुर से कांगपोकपी की ओर जा रहे एक वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी में 2.193 किलोग्राम हेरोइन और ब्राउन शुगर की 196 साबुन के डिब्बों में छुपाई गई खेप मिली। इस मामले में दो संदिग्ध गिनमिनलेन हाओकिप और होलमिनलेन खोंगसाई को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई मणिपुर में नशा तस्करी और हथियारों की अवैध बिक्री को रोकने की दिशा में अहम कदम है। इसके अलावा, 4 जुलाई को मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स, भारतीय सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की संयुक्त टीमों ने चार पहाड़ी जिलों में व्यापक तलाशी अभियान चलाकर और भी कई हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद बरामद किए थे। इन अभियानों से क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी करने और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिली है। आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रखने का पुलिस ने संकल्प व्यक्त किया है।

मुंबई पुलिस ने दो बड़े ड्रग रैकेट्स का किया भंडाफोड़

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शहर में सक्रिय दो बड़े ड्रग रैकेट्स का पर्दाफाश करते हुए कुल 2.5 करोड़ रुपये मूल्य की नशीली दवाएं बरामद की हैं। इस सफलता में एक इंजीनियर समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पहली कार्रवाई में एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) की आजाद मैदान यूनिट ने अंधेरी के लोखंडवाला इलाके में इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियर एस खान (40) को गिरफ्तार किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि खान अपने फ्लैट से ड्रग्स बेच रहा है। छापेमारी में उसके फ्लैट से 1.25 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स, चरस और 18 लाख रुपये नकद बरामद हुए। जांच में पता चला कि खान पिछले चार वर्षों से अपने फ्लैट को ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल कर रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने में लगी है कि ये नशीली दवाएं कहां से आ रही थीं और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। दूसरे अभियान में, एएनसी की कांदिवली यूनिट ने अंधेरी वर्सोवा जेट्टी इलाके में फैजान इरफान गौड़ (31) को गिरफ्तार किया। उसके पास से 306 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1.22 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने उसका मोबाइल फोन जब्त कर उसकी कॉल डिटेल्स और सोशल मीडिया चैट्स की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में यह संकेत मिले हैं कि वह एक अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क से जुड़ा हुआ है।

रेलवे फाटक पर फंसी थी यात्रियों से भरी बस, तभी आ गई ट्रेन, मची चीख-पुकार

गिरिडीह (एजेंसी)। रांची से गिरिडीह जा रही एक निजी बस अचानक रेलवे ट्रैक पर बंद हो गई। काफी प्रयास के बाद भी बस आगे नहीं बढ़ी। इसी दौरान एक माल गाड़ी आ गई। जिसे देखते ही बस में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। यात्री में चीख-पुकार मच गई और बस से उतरकर भागने लगे। बताया जा रहा है कि पम्मी नामक यात्री बस रांची से गिरिडीह की ओर जा रही थी। जैसे ही बस रेलवे फाटक पार कर रही थी, अचानक उसमें तकनीकी खराबी आ गई और वह ट्रैक के बीचोबीच बंद हो गई। इस दौरान फाटक बंद हो चुका था और ट्रेनों की आवाजाही पर असर पड़ने लगा। हालांकि समय रहते माल गाड़ी को रोक दिया गया। रेलवे फाटक के पास होम सिग्नल पर मालगाड़ी खड़ी हो गई। जिसे ग्रीन सिग्नल नहीं मिल पा रहा था। इस वजह से रेल यातायात करीब 20 मिनट तक बाधित रहा। वहीं, हजारीबाग रोड स्टेशन पर धनबाद-गया एएमयू सवारी गाड़ी को भी एहतियातन रोक दिया गया। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और हजारीबाग रोड आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य में लगी क्रेन की मदद से बस को ट्रैक से हटाया गया। करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद रेल ट्रैफिक सामान्य हुआ। गनीमत रही कि समय रहते ट्रेनों को रोका गया और कोई जानमाल की हानि नहीं हुई। घटना के बाद आरपीएफ ने बस चालक और परिचालक से पूछताछ शुरू कर दी है और विभागीय जांच की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरिया फाटक पर पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, इसलिए यहां यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किए जाने की आवश्यकता है।

सुरक्षा के नए आदेश: देश सभी रेलवे फाटकों पर लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे बैकअप भी रहेगा

चेन्नई (एजेंसी)। अब देश के हर रेलवे क्रॉसिंग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे हर गतिविधि की रीयल-टाइम निगरानी हो सके। इन कैमरों के साथ सोलर पैनल, यूपीएस और बैटरी बैकअप भी होगा, जिससे बिजली जाने पर भी रिकॉर्डिंग चालू रहे। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ था, जिसमें एक स्कूल वैन की ट्रेन से टक्कर हो गई थी। इस दर्दनाक हादसे में तीन बच्चों की मौत हो गई थी और 6 बच्चे घायल हो गए थे। यह हादसा रेलवे क्रॉसिंग पर हुआ था। इस हादसे के एक दिन बाद रेलवे ने तत्काल प्रभाव से 11 बड़े सुरक्षा उपायों की घोषणा की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद कड़े कदम लेने के फैसले लिए गए हैं।

निमिषा प्रिया को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर....केंद्र से हस्तक्षेप की अपील

-फांसी की तारीख 16 जुलाई तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में दी जाने वाली फांसी की सजा को टालने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दायर हुई है। यह याचिका सेव निमिशा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल नामक संगठन द्वारा दायर की गई है, इसमें केंद्र से अपील की गई है कि वह तत्काल राजनयिक हस्तक्षेप करे और 'ब्लड मनी' के द्वारा निमिषा की जान बचाने की कोशिश करे।

दरअसल निमिषा को 2017 में यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। अब निमिषा की फांसी की तारीख 16 जुलाई तय की गई है। उनके परिवार और समर्थकों को अब भी ब्लड मनी के द्वारा माफी की उम्मीद है, लेकिन तलाल के परिवार की सहमति और यमन की जटिल राजनीतिक स्थिति इसमें बाधा है। 'ब्लड मनी' इस्लामी शरीया कानून के तहत एक कानूनी प्रावधान है, जिसके तहत पीड़ित के परिजन आरोपी को माफ कर सकते हैं, यदि उन्हें आर्थिक मुआवजा (ब्लड मनी) दिया जाए।

वरिष्ठ अधिवक्ता रजेंथ बसंत ने मामले का उल्लेख सुप्रीम कोर्ट की पीठ के समक्ष किया, जिसमें न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची शामिल थे। उन्होंने कहा कि निमिषा की अपील यमन की पहली अपीलीय अदालत द्वारा खारिज की गई है, लेकिन ब्लड मनी के द्वारा समझौते की संभावना अभी भी खुली है। अधिवक्ता ने दलील दी कि कम समय बचा है, और अगर केंद्र तुरंत हस्तक्षेप करे, तब निमिषा की जान बचाई जा सकती है। जब बेंच ने याचिका को मंगलवार (15 जुलाई) को सुनने का सुझाव दिया, तब वकील ने अनुरोध किया कि डिप्लोमैटिक प्रक्रिया में लगने वाले समय को देखकर सुनवाई पहले की जाए। पीठ ने सहमति जताकर मामले को 14 जुलाई (सोमवार) के लिए सूचीबद्ध किया है। याचिकाकर्ता संगठन ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह यमन सरकार और पीड़ित परिवार से वार्ता शुरू करे और ब्लड मनी के जरिए निमिषा को फांसी से बचाने के प्रयास करे।

क्या है मामला

निमिषा 2008 में नर्स के रूप में काम करने के लिए यमन गई थीं। 2011 में उन्होंने भारतीय नागरिक टॉमी थॉमस से शादी की और उनकी एक बेटी हुई। 2014 में उनके पति और बेटी भारत लौट आए, लेकिन निमिषा यमन में रहीं। निमिषा ने यमन में एक क्लीनिक खोलने के लिए महदी के साथ साझेदारी की, क्योंकि यमनी कानून के तहत विदेशियों को लोकल साझेदार की जरूरत होती है। लेकिन बाद में तलाल के साथ विवाद शुरू हुआ। निमिषा ने आरोप लगाया कि तलाल ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए शादी का दावा किया, उनका यौन और मानसिक शोषण किया, उनके पैसे छीनकर पासपोर्ट जब्त किया। 2017 में, निमिषा ने अपना पासपोर्ट वापस लेने के लिए तलाल को बेहोशी का इंजेक्शन दिया, लेकिन डोज अधिक होने से तलाल की मौत हो गई। इसके बाद, निमिषा ने अपनी सहयोगी हनान की मदद से तलाल के शव के टुकड़े कर पानी की टंकी में फेंक दिया। निमिषा को हत्या का दोषी पाया

गया, जबकि हनान को आजीवन कारावास की सजा मिली।

वहीं निमिषा के परिवार ने तलाल के परिवार को 1.52 करोड़ रुपये (5 करोड़ यमनी रियाल) की पेशकश की, लेकिन तलाल का परिवार सहमत नहीं हुआ। भारतीय विदेश मंत्रालय ने निमिषा को बचाने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। भारत सरकार यमनी अधिकारियों और हूती प्रशासन के साथ संपर्क में है, लेकिन यमन में गृहयुद्ध और हूती विद्रोहियों के नियंत्रण के कारण कूटनीतिक प्रयास जटिल हैं।

नौसेना को मिला निस्तार युद्धपोत, गहरे समुद्र में चलाए जाएंगे बचाव अभियान

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा पर बने हुए तनावपूर्ण हालात के बीच हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) ने विशाखापत्तनम में आयोजित किए गए एक समारोह में नौसेना को गहरे समुद्र में गोताखोरी अभियान में बेहद मददगार पहला युद्धपोत 'निस्तार' सौंपा है। जिसका डिजाइन और निर्माण स्वदेश में किया गया है। वर्तमान में ऐसे युद्धपोत दुनिया के चंद देशों की नौसेनाओं के पास ही हैं। अब निस्तार के साथ ही भारतीय नौसेना भी विश्व के उन विशिष्ट देशों के समूह में शामिल हो गई है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि इस युद्धपोत का नाम निस्तार संस्कृत भाषा से लिया गया है। जिसका अर्थ मुक्ति, बचाव या मोक्ष होता है। इसकी लंबाई 118 मीटर और कुल वजन 10 हजार टन है। निस्तार गोताखोरी के अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है। साथ ही यह समुद्र में 300 मीटर की गहराई तक गोताखोरी करने में भी पूरी तरह से सक्षम है और इसमें 75 मीटर की गहराई तक गोताखोरी करने के लिए एक साइड डाइविंग स्टेज भी मौजूद है। निस्तार गहरे जलमग्न बचाव पोत (डीएसआरवी) के लिए मदर शिप के रूप में भी काम करेगा। जिससे पानी के नीचे किसी पनडुब्बी में आपात स्थिति में कर्मचारियों को बचाया और निकाला जा सके। एचएसएल ने इस युद्धपोत को को एक हजार मीटर की गहराई तक गोताखोरी निगरानी और बचाव कार्यों को अंजाम देने के लिए दूर से संचालित वाहनों के संयोजन से सुसज्जित किया है। मंत्रालय ने कहा कि इसमें लगी हुई 75 फीसदी सामग्री स्वदेशी है। नौसेना के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जिसमें केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान के दृष्टिकोण पर प्रमुखता से ध्यान केंद्रित किया गया है।

राहुल गांधी खुद एक डमी हैं, संविधान की रक्षा तो पीएम मोदी कर रहे हैं: गिरिराज

बेगूसराय (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा संविधान की किताब दिखाए जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी खुद एक डमी हैं। उनके पास संविधान की एक डमी किताब है। पीएम मोदी संविधान की रक्षा कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। हमारा उद्देश्य ऐसे डमी लोगों से छुटकारा दिलाना है।

गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार और पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की गाड़ी पर चढ़ने से रोके जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि सामाजिक जीवन में इससे बड़ा अपमान और कुछ नहीं हो सकता। अब तक सामाजिक मान्यता यही थी कि ये लोग राज्य के बड़े नेता हैं, लेकिन राहुल गांधी और तेजस्वी ने इन दोनों नेताओं का अपमान किया है।

बता दें राहुल गांधी बुधवार को बिहार के दौरे पर थे। इस दौरान राहुल गांधी ने महागठबंधन की ओर से आयोजित विरोध रैली में शिरकत की। 'बिहार बंद' के दौरान पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार को राहुल गांधी की गाड़ी पर चढ़ने से रोक दिया गया। इस मामले के तूल पकड़ने के बाद सांसद पप्पू यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हमें वाहन पर चढ़ने नहीं दिया गया, अंदर सभी लोग कांग्रेस से थे। यह मेरी जिंदगी की लड़ाई है, मेरे समाज की लड़ाई है। यह संविधान की रक्षा और अल्पसंख्यकों के दर्जे की लड़ाई है। इसमें सम्मान और अपमान की क्या बात है? कहीं कोई अपमान की बात नहीं है, हम लोगों का संबंध सीधे मतदाताओं से है।

पीएम मोदी की विदेश यात्रा पर कांग्रेस ने उठाए सवाल कहा- कभी मणिपुर भी हो आइए...

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पांच देशों की विदेश यात्रा को लेकर कांग्रेस जमकर निशाना साधा है। वह लगातार सरकार पर सवालों की बरसात कर रही है। कांग्रेस ने कहा है कि अब वह चाहें तो मानसून सत्र का एजेंडा तय करने के लिए सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने के साथ हिंसा प्रभावित मणिपुर जाने, पहलगाम के आतंकवादियों को अब तक न्याय के कठघरे में क्यों नहीं लाया गया है, इसकी समीक्षा करने और अपने गृह राज्य में लगातार गिरते-ढहते, नाकाम होते बुनियादी ढांचे पर विचार करने के लिए समय निकाल सकते हैं।

पीएम मोदी ने ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के अलावा पांच देशों -घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील

और नामीबिया का दौरा किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत अपने 'सुपर प्रीमियम फ्रीक्वेंट फ्लायर' प्रधानमंत्री का स्वागत करता है, जो शायद अगली विदेश यात्रा से पहले तीन हफ्तों के लिए देश में रहेंगे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अब जब वे देश में हैं, तो शायद उन्हें मणिपुर जाने का समय मिल जाए, जहां लोग दो साल से अधिक समय से उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता का कहना है, 'वह यह भी समीक्षा कर सकते हैं कि पहलगाम में हुए आतंकी हमलों के दोषियों को अब तक न्याय के कठघरे में क्यों नहीं लाया गया, अपने गृह राज्य में लगातार गिरते-ढहते, नाकाम होते बुनियादी ढांचे पर ध्यान दे सकते हैं, और बाढ़ से तबाह हिमाचल प्रदेश के लिए सहायता राशि मंजूर कर सकते हैं। रमेश ने कहा, वह चाहें तो जीएसटी में व्यापक सुधार पर भी ध्यान दे सकते हैं, जिससे आम उपभोग को प्रोत्साहन मिल सके और कुछ खास बड़े कॉरपोरेट समूहों के अलावा बाकी निजी कंपनियों को भी निवेश के लिए प्रेरित किया जा सके। उन्होंने कहा कि बदलाव के तौर पर वह मानसून सत्र के लिए एजेंडा तय करने के उद्देश्य से सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता भी कर सकते हैं। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है।

हासन में 40 दिनों में हार्ट अटैक से 23 लोगों की मौत, घबराए लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे अस्पताल, मचा हड़कंप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हासन जिले में बीते 40 दिनों में हार्ट अटैक से 23 लोगों की मौत से हड़कंप मचा हुआ है। इसमें 6 पीड़ितों की उम्र 19 से 25 वर्ष के बीच थी, जबकि 8 मृतक 25 से 45 वर्ष की उम्र के थे। अचानक बढ़े इन मामलों ने क्षेत्र के लोगों में चिंता पैदा कर दी है। राज्य के प्रमुख अस्पतालों में शामिल बेंगलुरु और मैसुरु के जयदेव अस्पतालों में हृदय रोगियों की संख्या में 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अब हर दिन हजारों की संख्या में लोग हार्ट की जांच करवाने अस्पताल पहुंच रहे हैं, विशेषकर हासन और आसपास के जिलों से हृदय रोगियों का रैला आ रहा है। वहीं जयदेव अस्पताल, मैसूर के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. के.एस. सदानंद ने लोगों से घबराने के बजाय सतर्कता और समझदारी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा, एक बार जांच कराने से समस्या खत्म नहीं होगी। जरूरी है कि लोग अपनी जीवनशैली में सुधार करें, संतुलित आहार लें, धूम्रपान-शराब से बचें और नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।' वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनियाभर में हर साल 6 करोड़ लोगों की मौत होती है, जिसमें से करीब 32 प्रतिशत मौतों की वजह कार्डियोवस्कुलर डिजीज (सीवीडी) होती है। यानी हर साल लगभग 1.75 करोड़ लोग हार्ट से जुड़ी बीमारियों के कारण जान गंवा रहे हैं। पहले यह बीमारी बुजुर्गों तक सीमित मानी जाती थी, लेकिन अब 30 वर्ष से कम उम्र के लोग भी बड़े पैमाने पर शिकार हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड-19 महामारी के बाद से हृदय संबंधी बीमारियों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है। हासन में हुई इन मौतों ने कर्नाटक सरकार और स्वास्थ्य महकमे को अलर्ट कर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार अब समय आ गया है जब हर व्यक्ति को अपनी स्वास्थ्य-शैली पर गंभीर ध्यान देना होगा। हृदय की जांच के साथ ही, लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलनपूर्ण जीवनशैली जरूरी है।

आप 75 साल के हो गए तो रुक जाना चाहिए, संघ प्रमुख ने फिर छेड़ी बहस

- शिवसेना सांसद राउत का दावा- भागवत यह संदेश पीएम मोदी को दे रहे हैं

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने एक बार फिर राजनीति से 75 साल में रिटायर होने की बहस छेड़ दी है। भागवत के इस बयान को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा है कि संघ प्रमुख यह संदेश पीएम नरेंद्र मोदी को दे रहे हैं। खास बात है कि पीएम मोदी और भागवत दोनों ही इस साल सितंबर में 75 साल के होने वाले हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को नागपुर के एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा जब आपको कोई 75 साल का होने पर बधाई देता है, तो इसका मतलब होता है कि अब आपको रुक जाना चाहिए और दूसरों को काम

करने देना चाहिए। इस पर संजय राउत ने कहा कि संघ प्रमुख भागवत पीएम मोदी को यह संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, जसवंत सिंह आदि जैसे नेताओं को जबरन रिटायरमेंट दिला दिया, क्योंकि वह 75 साल के हो गए थे। अब देखते हैं कि क्या मोदी इसका पालन खुद भी करेंगे।

इससे पहले भी मार्च में संजय राउत पीएम मोदी के रिटायरमेंट को लेकर दावा कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी अपने रिटायरमेंट का ऐलान करने के लिए आरएसएस के नागपुर मुख्यालय गए थे। राउत ने कहा था कि पीएम मोदी बीते 10-11 सालों में आरएसएस मुख्यालय नहीं गए और वह दौरा उनके राजनीतिक भविष्य के लिहाज से अहम था। बीते साल मई में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि पीएम मोदी 75 साल का होने के बाद भी सक्रिय राजनीति से रिटायर नहीं होंगे। उन्होंने कहा था कि मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि बीजेपी के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है और मोदीजी 2029 तक देश की अगुवाई करेंगे और मोदीजी आने वाले चुनावों में भी नेतृत्व करेंगे। इंडी अलायंस के लिए कोई खुशखबरी नहीं है...। वह झूठ फैलाकर चुनाव नहीं जीत सकते।

सीएम खांडू ने ड्रैगन को चेताया कहा- अरुणाचल की सीमा तिब्बत से लगती है, न कि चीन से

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन द्वारा दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर दखल की कोशिशों पर अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीन को करारा जवाब देते हुए कहा कि उनका राज्य चीन नहीं, तिब्बत से 1,200 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। उन्होंने चीन की बार-बार अरुणाचल पर दावा जताने की निंदा करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक और भौगोलिक रूप से गलत और भ्रामक है। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए खांडू ने यारलुंग त्सांगपो (भारत में ब्रह्मपुत्र) नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना के रूप में एक पानी बम करार दिया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने भी हाल ही में कहा था कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चयन बौद्ध परंपराओं के अनुसार दलाई लामा ही तय करेंगे, कोई सरकार नहीं, खासकर चीन जैसा कम्युनिस्ट शासन नहीं।

पेमा खांडू ने कहा, हां, आधिकारिक रूप से अब तिब्बत चीन के अधीन है, लेकिन मूल रूप से अरुणाचल प्रदेश की सीमा तिब्बत से लगती है, न कि चीन से। उन्होंने इंटरव्यू के दौरान तुरंत हस्तक्षेप करते हुए कहा कि भारत के किसी भी राज्य की सीधा सीमा चीन से नहीं लगती, बल्कि तिब्बत से लगती थी जिसे 1950 में चीन ने बलपूर्वक कब्जा कर लिया। पेमा खांडू ने चीन द्वारा यारलुंग त्सांगपो नदी पर बनाए जा रहे दुनिया के सबसे बड़े डैम प्रोजेक्ट को पानी का बम बताते हुए गंभीर चेतावनी दी। उन्होंने कहा, चीन किसी अंतरराष्ट्रीय जल संधि का हिस्सा नहीं है और उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। यदि उन्होंने अचानक डैम का पानी छोड़ा, तो अरुणाचल की सियांग घाटी पूरी तरह तबाह हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आदि

जनजाति और अन्य समुदायों पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार के साथ विचार-विमर्श के बाद अरुणाचल ने सियांग अपर मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट की रूपरेखा बनाई है। इसका उद्देश्य चीन की गतिविधियों के खिलाफ सुरक्षात्मक तैयारी करना है। उन्होंने कहा, चूंकि चीन को समझाना मुश्किल है इसलिए हमें अपने रक्षा तंत्र को मजबूत करना होगा।

मुस्लिम बहुल जिलों में चौंकाने वाले आंकड़े- जहां 100 लोग हैं वहां 120 बना डाले आधार कार्ड

पटना (एजेंसी)। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इसको लेकर मतदाता सूची अपडेट की जा रहीं है और राजनैतिक दलों की चुनावी तैयारियां चल रहीं हैं। इसी बीच आधार कार्ड सैचुरेशन के आंकड़ों ने सियासी और सामाजिक हलकों में एक नई बहस छेड़ दी है। जहां राज्य का औसत आधार सैचुरेशन 94 प्रतिशत है, वहीं मुस्लिम बहुल जिलों में यह आंकड़ा हैरान करने वाला है। किशनगंज में 68 फीसदी मुस्लिम आबादी है। यहां आधार सैचुरेशन 126 फीसदी है। इसी तरह कटिहार (44 प्रतिशत) में 123 प्रतिशत, अररिया (43 प्रतिशत) में 123 प्रतिशत, और पूर्णिया (38 प्रतिशत) में 121 प्रतिशत आधार सैचुरेशन दर्ज किया गया है। यानी, हर 100 लोगों पर 120 से अधिक आधार कार्ड! यह सवाल उठता है कि ये अतिरिक्त आधार कार्ड किसके लिए बनाए गए हैं। इस मुद्दे ने न केवल बिहार बल्कि पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में भी चर्चा को तेज कर दिया है, जहां ममता बनर्जी की सरकार पहले से ही आधार कार्ड डिएक्टिवेशन जैसे मुद्दों पर केंद्र से उलझी हुई है। क्या यह विपक्ष और वामपंथी लॉबी द्वारा आधार को नागरिकता का सबूत बनाने की कोशिश का हिस्सा है?

विपक्ष खासकर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस ने आधार कार्ड को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए जोर दिया है, लेकिन इसे नागरिकता का सबूत मानने के खिलाफ भी आवाज उठाई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ बिहार बंद का आह्वान किया, जिसमें आधार को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार न करने की बात कही गई। दूसरी ओर कुछ लोग तर्क देते हैं कि विपक्ष आधार को नागरिकता का सबूत बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि अवैध आप्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। यह आरोप विशेष रूप से बीजेपी और उसके समर्थकों द्वारा लगाया जा रहा है जो कहते हैं कि सीमांचल में अधिक आधार सैचुरेशन चुनावी खेल का हिस्सा है।

बिहार के सीमांचल क्षेत्र-किशनगंज, कटिहार, अररिया और पूर्णिया में मुस्लिम आबादी 38 फीसदी से 68 फीसदी तक है। इन जिलों में आधार सैचुरेशन का 100 फीसदी से अधिक होना कई सवाल खड़े करता है। सामान्य तौर पर आधार कार्ड एक व्यक्ति-एक कार्ड की नीति पर आधारित है। लेकिन जब आंकड़े बताते हैं कि जनसंख्या से अधिक आधार कार्ड मौजूद हैं, तो यह संकेत देता है कि या तो डुप्लिकेट आधार कार्ड बनाए गए हैं या फिर गैर-नागरिकों को भी आधार कार्ड जारी किए गए हैं।

सीमांचल क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति इसे और संवेदनशील बनाती है। ये जिले पश्चिम बंगाल और नेपाल की सीमा से सटे हैं और बांग्लादेश भी ज्यादा दूर नहीं है। इस क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों का मुद्दा लंबे समय से चर्चा में रहा है। कुछ

सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा किया गया है कि इन जिलों में आधार कार्ड की अधिकता का कारण बांग्लादेशी घुसपैठिए हो सकते हैं, जिन्हें स्थानीय नेताओं और कट्टरपंथी समूहों के समर्थन से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आधार कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं। हालांकि, यह दावा विवादास्पद है और इसके लिए ठोस सबूतों की कमी है। फिर भी, ये आंकड़े निश्चित रूप से चिंता का विषय हैं।

बंदऊं गुरु पद पदुम परागा

गुरुभक्तों ने की शंकराचार्य जी के छायाचित्र का साविधि पूजन

उजाला संचार

वाराणसी। काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ की नगरी में गुरु वंदना के महापर्व गुरु पूर्णिमा पर शिष्य अपने गुरुजनों के चरणों में शीश नवाकर श्रद्धा समर्पित कर रहे है। महापर्व पर 'बंदऊं गुरु पद पदुम परागा' का भाव जिले में चहुंओर दिख रहा। शिष्य अपने गुरुजनों के चरणों में पूरे भाव के साथ शीश नवाकर आर्शिवाद ले रहे है। अल सुबह से ही नगर के प्रमुख मठ, आश्रम शिष्यों से गुलजार है।पड़ाव स्थित अघोर पीठ श्री सर्वेश्वरी समूह संस्थान देवस्थानम में श्रद्धालुओं का रेला पीठाधीश्वर गुरुपद संभव राम के चरणों में शीश नवाने के लिए रहे बेकरार।

काशी के केदारघाट स्थित श्रीविद्यामठ में आज गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर परमधमार्धीश ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामिश्री अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती जी महाराज के छायाचित्र के समक्ष वैदिक आचार्यों पं ओम प्रकाश पाण्डेय,के के द्विवेदी,पं भूपेंद्र जी, शिवकांत मिश्रा,राजन तिवारी जी आदि ने सर्वप्रथम गुरु व्यास पूजन कराया। जिसके अनन्तर शंकराचार्य जी महाराज के चरण पादुका का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पूजन किया गया। और शंकराचार्य जी महाराज के चित्र का आरती उतारा गया।पूजन स्थल पर ब्रम्हलीन जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज का व ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का बड़ा सा छायाचित्र लगाकर उसको पुष्पों से आच्छादित कर फल,मिष्ठान व नैवेद्य अर्पित किया गया।इस दौरान सुप्रसिद्ध शहनाई वादक महेंद्र प्रसन्ना ने अपनी टीम के साथ मंत्रमुग्ध कर देने वाला शहनाई वादन किया।जिसके साथ ही मातृशक्ति ने गुरुभजन,कीर्तन व नृत्य कर अपनी श्रद्धा को निवेदित किया।

उक्त जानकारी देते हुए शंकराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने बताया कि सर्वविदित है कि आज से ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य जी महाराज का मुंबई में चातुर्मास व्रत अनुष्ठान शुरू हो गया है।जहां पूरे देश से सन्त,भक्त व राष्ट्र के समस्त जगदगुरुकुलम के वैदिक विद्यार्थी मुम्बई में उपस्थित होकर शंकराचार्य जी महाराज के पावन सान्निध्य में उनसे आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त कर रहे हैं।कल शंकराचार्य जी महाराज का मुंबई में प्रवेश मङ्गलम शोभायात्रा निकला जिसमे हजारों के संख्या में सन्तों भक्तों ने बड़े उत्साह से भाग लिया।वहीं काशीवासी भक्त अपने मध्य शंकराचार्य जी महाराज को न पाकर थोड़े मायूस अवश्य रहे।लेकिन आज गुरुपूर्णिमा महोत्सव को भक्तों ने खूब धूमधाम से मनाया।सुबह से ही श्रीविद्यामठ में भक्तों का तांता लगा रहा आज दिन भर भंडारा चलेगा जिसमे भक्त भोजन,प्रसाद ग्रहण करेंगे।

आज से काशी में शंकराचार्य जी महाराज के शिष्य स्वामी केशेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का संकल्पपूर्वक चातुर्मास व्रत अनुष्ठान शुरू हो गया है।

गुरुपूर्णिमा पूजन में प्रमुख रूप से-रमेश पाण्डेय, दीपेंद्र सिंह,रवि त्रिवेदी, रमेश उपाध्याय,हजारी कीर्ति शुक्ला, एस के द्विवेदी, डॉ अभय शंकर तिवारी, अनिल तिवारी, सतीश अग्रहरी, सावित्री पाण्डेय, लता पाण्डेय,मंजरी पाण्डेय, नीलम दुबे, प्रेमा तिवारी, पूनम पांडेय, पूनम मिश्रा, लीला तिवारी, रिंकी,रामचन्द्र सिंह सहित भारी संख्या में लोग शामिल थे।

काशी के संत शिरोमणि डॉलर बाबा सनातन धर्म का विरोध करने वालों पर चलाएंगे धनुष बाण

सैकड़ो शिष्यों को आज गुरु पूर्णिमा पर दिए दीक्षा

उजाला संचार

वाराणसी। काशी के संत शिरोमणि डॉलर बाबा ने गुरुवार को कहा कि जो सनातन का विरोध करेगा वह भारत में नहीं रहेगा, जो मुसलमान स्वेच्छा से सनातन धर्म अपनाना चाहता है उसका सनातन धर्म मे स्वागत है, हर एक मुसलमान के दिल में सिर्फ राम बसते हैं लेकिन कुछ जिहादी टाइप के हैं वह उन्हें धर्मांतरण कराने में लगे हैं। अब हिंदुओं को जगाने की आवश्यकता है नहीं तो 700 करोड़ से 70 करोड़ हो जायेगे, पहले के समय में सिर्फ सनातन धर्म देश के कोने-कोने में था, पहले के समय में धर्मांतरण नहीं होता था, आज जिहादी टाइप के लोग धर्मांतरण करा रहे हैं इसी लिए हिंदू मिटते जा रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा पर पातालपुरी मठ में पीठाधीश्वर गुरु बाबा बालक दास का मुस्लिम महिलाओं ने आरती उतार कर गुरु पूर्णिमा पर्व उत्साह से मनाया।

गंगा का जलस्तर बढ़ा, आरती अब ऊपर की सीढ़ियों पर

उजाला संचार

वाराणसी। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से 84 घाटों पर अफरा-तफरी का माहौल है. गंगा में बढ़ते पानी की वजह से सभी घाटों पर लोग अपने सामान और दुकानें हटाने में लगे हैं. सैलाब के चलते आरती अब ऊपर की सीढ़ियों पर की जा रही है.श्रद्धालुओं को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन गंगा आरती को लेकर उनके उत्साह में कोई कमी नहीं आई है।

गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे दशाश्वमेध घाट का विश्व प्रसिद्ध आरती स्थल भी जलमग्न हो चुका है. पक्के घाटों का संपर्क टूट जाने की वजह से गंगा घाटों पर आवाजाही बंद हो चुकी है. सीढ़ियों के डूब जाने से घाटों की खूबसूरती बाढ़ के पानी में समा चुकी है. एहतियातन छोटी और मझोली नाव के संचालन पर रोक लगा दिया गया है. बड़ी मोटर बोट्स को क्षमता से आधी ही सवारियां बैठाने की इजाजत है।

आस्था और भक्ति का उत्साह बरकरारः गंगा में उफान के चलते घाट से छोटे अस्थायी दुकानदार विस्थापित होने पर मजबूर हैं. पंडा पुजारी अपनी चौकियों और छतरियों को बाढ़ से बचाने के लिए ऊंचाई पर चले गए हैं. इतनी मुश्किलों के बावजूद आस्था और भक्ति का सफर लगातार जारी है. गंगा सेवा निधि द्वारा दशाश्वमेध घाट पर आरती का स्थान बदलकर लगभग 10 15 फीट पीछे कर दिया गया है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षाः गंगा आरती का स्थान बदलने के बाद भी घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है. हालात को देखते हुए जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों के साथ-साथ वॉलंटियर्स भी श्रद्धालुओं की सुरक्षा में तैनात हैं. वाराणसी में लगातार गंगा उफान पर है, जिसके पीछे बड़ी वजह पहाड़ों पर हो रही मूसलाधार बारिश और बांधों से छोड़े जा रहे पानी हैं।

गंगा आरती का स्थान बदलनाः गंगा आरती का स्थल बदल गया है और अगर गंगा के जलस्तर में बढ़ाव जारी रहा तो आरती स्थल फिर से बदलना पड़ेगा. गंगा सेवा निधि के कार्यालय के छत से भी आरती संपन्न हो रही है. मानसून सीजन के चलते गंगा में सैलाब है, लेकिन भक्तों के उत्साह और उमंग में रत्ती भर भी कमी नहीं आई है. हर रोज की तरह गंगा आरती पूरे विधिविधान के साथ हो रही है. शंखनाद, घंटी, डमरू की आवाज और मां गंगा के जयकारे से पूरा घाट गुंजायमान है।

नगर आयुक्त ने शिवालयों एवं पंचकोशी मार्ग का किया निरीक्षण

सभी नगरीय व्यवस्था दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

उजाला संचार

वाराणसी। आज से शुरू हुए सावन माह में उचित व्यवस्था रखने हेतु गुरुवार को नगर आयुक्त अक्षत वर्मा द्वारा मृत्युंजय महादेव मंदिर, कृत्तिशेश्वर महादेव मंदिर, ओम कालेश्वर मंदिर एवं आदिकेशव मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। श्रावण मास मेला के दृष्टिगत कांवरियों के पंचक्रोशी मार्ग का एवं शिवालयों के आस पास उत्कृष्ट साफ सफाई, पर्याप्त मार्ग प्रकाश व्यवस्था बनाए जाने, शिव मंदिरों को जाने वाले मार्ग में कहीं पर भी गड्ढा ना हो इस हेतु अवश्यकता के दृष्टिगत मार्ग पैच वर्क कराए जाने, उक्त मार्ग में छुट्टा पशुओं को पकड़े जाने, उक्त मार्ग के सीवर, वाटर लीकेज की समस्या ना हो इस हेतु तत्काल चेक कराकर सुनिश्चित किए जाने इसके बावजूद भी इस प्रकार की यदि समस्या संज्ञान में आए तो तत्काल समाधान कराए जाने, सावन पर्व पर कांवड़ियों हेतु पर्याप्त शुद्ध पेय जल की टैंकर की व्यवस्था कराया जाना सुनिश्चित किए जाने को लेकर निरीक्षण किया गया । एवं उक्त के क्रम में आवश्यक निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरानः- श्री मृत्युंजय नारायण मिश्रा, जोनल अधिकारी कोतवाली, अधिशासी अभियंता मार्ग प्रकाश, सहायक अभियंता नगर निगम/जलकल, अवर अभियंता मार्ग प्रकाश मौके पर उपस्थित थे।

शहरी क्षेत्र में पार्किंग समस्या के समाधान की दिशा में वाराणसी विकास प्राधिकरण की पहल

मैकेनाइज्ड पार्किंग को मिलेगा प्रोत्साहन

उजाला संचार

वाराणसी। शहर में बढ़ते ट्रैफिक और सीमित पार्किंग व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए वाराणसी विकास प्राधिकरण ने मैकेनाइज्ड पार्किंग के निर्माण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह व्यवस्था लखनऊ विकास प्राधिकरण की तर्ज पर लागू की जा रही है, जिससे शहरी क्षेत्र में पार्किंग की सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

उक्त निर्णय के अंतर्गत, मैकेनाइज्ड पार्किंग निर्माण के इच्छुक पक्ष को आकलित कुल लागत का 25% धनराशि प्रतिभूति (ग़ॣ४१३८ टङ्गल्ली८) के रूप में अग्रिम जमा करनी होगी। यदि निर्धारित अवधि में निर्माण कार्य पूरा नहीं किया जाता है, तो यह राशि जब्त कर ली जाएगी।

प्रक्रियागत व्यवस्था इस प्रकार तय की गई है:

* मानचित्र स्वीकृति की प्रक्रिया निर्माण से पूर्व ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से की जाएगी।
* शमन स्वीकृति निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद ऑफलाइन माध्यम से की जाएगी।
* यह भी तय किया गया है कि ऑनलाइन आवेदन करते समय ही प्रतिभूति राशि जमा करनी होगी। निर्माण पूर्ण होने के उपरांत, शमन कार्यवाही पूर्ण कर शमन मानचित्र निर्गत किया जाएगा।
* विशेष परिस्थितियों में, उपाध्यक्ष महोदय की पूर्व अनुमति से शमन मानचित्र पहले भी जारी किया जा सकेगा।
* निर्धारित प्रक्रिया और मैकेनाइज्ड पार्किंग की स्थापना पूर्ण होने के बाद, उपाध्यक्ष महोदय के अनुमोदन के उपरांत प्रतिभूति राशि लौटाई जाएगी।
* यह व्यवस्था यह भी सुनिश्चित करेगी कि नक्शे में स्टैक पार्किंग दर्शाकर पास कराने वाले आवेदक वास्तव में स्टैक पार्किंग की स्थापना करें।

केंद्रीय स्वास्थ्य टीम ने नेत्र विभाग बीएचयू के साथ साथ अन्य चिकित्सालयों का किया निरीक्षण

नेत्र विभाग बीएचयू के सहयोग से वाराणसी में 10 नये विजन सेन्टर खोलने की तैयारी

***नेत्रदान व कॉर्निया प्रत्यारोपण में वृद्धि को लेकर बनेगी रणनीति**

***बीएचयू नेत्र विभाग ने किया 52 कार्निया प्रत्यारोपण**

उजाला संचार

वाराणसी। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तीन सदस्यीय केन्द्रीय टीम के नेतृत्व में उच्च स्तरीय चिकित्सकीय दल एवं परामर्शदाताओं के द्वारा आईएमएस, बीएचयू सहित अन्य चिकित्सालयों का राष्ट्रीय अन्धता निवारण कार्यक्रम एवं गैर संचारी रोगों के अंतर्गत दी जा रही चिकित्सकीय सेवाओं को लेकर पांच दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के दौरान शनिवार को गहन समीक्षा एवं निरीक्षण किया गया, इसकी जानकारी अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय राय ने दी।

एसीएमओ डॉ संजय राय ने बताया कि नेत्र बैंक, बी एच यू में डॉ आर पी मौर्या के नेतृत्व में पिछले 3 वर्षों में 32 लोगों से कुल 64 कॉर्निया प्राप्त हुई। अब तक अंधता के शिकार कुल 52 लोगों में कॉर्निया का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण कर नेत्र ज्योति दी जा चुकी है जिससे उनके जीवन का अंधकार मिट गया है और वे सामान्य लोगों की तरह से देख सकते हैं। केंद्रीय टीम के सुझाए गए रणनीति पर नेत्रदान एवं कार्निया प्रत्यारोपण में गति लाने हेतु नेत्र विभाग बीएचयू के सहयोग से वाराणसी में 10 नये विजनसेन्टर खोलने की तैयारी की जा रही है।मोतियाबिंद के सभी मरीजों को चिन्हित कर निःशुल्क सर्जरी की भी बृहद योजना बनेगी। नेत्र सर्जरी में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों की उपलब्धता के साथ सपोर्ट स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण देने के लिए सभी संस्थानों से प्रस्ताव माँगा जायेगा। निःशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी की उपलब्धता के विशेष प्रचार व प्रसार माध्यम पर भी जोर दिया जायेगा। सभी वृद्ध जनों के दृष्टि दोष को दूर करने के लिए निःशुल्क चश्मा भी वितरित किये जाने की योजना तैयार किया जायेगा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत इस वर्ष सभी सरकारी स्कूलों में दृष्टिदोष से ग्रसित बच्चों का भी चिकित्सकों की टीम द्वारा जाँच कर निःशुल्क चश्मा वितरित किया जायेगा।

केंद्रीय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तीन सदस्यीय केंद्रीय टीम ने आईएमएस बी एच यू के नेत्र संस्थान व ई एन टी विभाग के साथ ही जिले के श्री शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (मिसिरपुर), और काशी विद्यापीठ ब्लॉक के आयुष्मान आरोग्य मंदिर (माधोपुर) व सी एच सी चोलापुर का निरीक्षण किया । राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण व बाधिरता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत वाराणसी में सरकारी नेत्र रोग विभाग और नाक कान गला रोग विभाग में केंद्रीय सरकार के एसएमओ प्रोग्राम इंचार्ज डॉ सी.अपर्णा, टेक्निकल कंसल्टेंट डॉ राहुल पाण्डेय और मेडिकल कंसल्टेंट डॉ प्रणय शर्मा ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता जांची।

11 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगा रुद्राभिषेक कार्यक्रमः जंगली बाबा

उजाला संचार, सोनभद्र। रामगढ़ कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर में शिव शक्ति महिला मंडल व भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से श्रावण मास के पहले दिन 11 जुलाई शुक्रवार से रुद्राभिषेक कार्यक्रम शुरू होगा जो आगामी 9 अगस्त तक चलेगा। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य राधे कृष्ण तिवारी द्वारा रुद्राभिषेक पूजन कराया जाएगा। भिक्षुक रमाशंकर गिरी उर्फ भिखारी बाबा उर्फ जंगली बाबा ने बताया कि शिव शक्ति महिला मंडल एवं भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की ओर से प्रतिदिन सावन माह भर रुद्राभिषेक किया जाएगा। इसकी शुरूआत 11 जुलाई शुक्रवार से होगी और समापन 9 अगस्त को विशाल भंडारे में प्रसाद वितरण के साथ होगा। प्रतिदिन जड़ीबूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी जाएगी, ताकि वातावरण शुद्ध रहे। जंगली बाबा ने अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का आग्रह किया है।

श्री भिक्षुक भिखारी जंगली बाबा जी
शिव मन्दिर रामगढ़ सोनभद्र

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की झांकी निकली, भाव विभोर हुए भक्तगण

उजाला संचार, सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत पेटराही के सिंधौरा गोरारी गांव में स्थित संत श्री कामेश्वर जी शिक्षा एवं जन विकास सेवा आश्रम में चल रहे श्री मद्भागवत कथा के पांचवें दिन सोमवार को भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव की झांकी निकाली गई। इस दौरान हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के जयकारे से समूचा कथा स्थल गुंजायमान हो गया। भगवान श्री कृष्ण का दर्शन करने का तांता लगा रहा, वहीं कथा का रसपान कर भक्त भाव विभोर हो गए। श्री मद्भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस के अवसर पर परम श्रद्धेय अरुण कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने परब्रह्म भगवान श्री कृष्ण के पावन बाललीला एवं पूतना मोक्ष , भगवान के माखन चोरी की लीला, व्रजरज का महत्व, ब्रह्मादिक देवताओं का मान मर्दन एवं कालीयमर्दन के पावन प्रसंगों का सुन्दरतम कथा के द्वारा समस्त श्रोता समुदाय को भागवतीय सरिता में सराबोर किया।

उजाला संचार NEWS
NEW VIDEOS EVERYDAY
उजाला संचार यूट्यूब चैनल
सब्सक्राइब करें, लाइक करें, कमेंट करें और ज्यादा से ज्यादा शेयर करें, ताकि सच हर दिल तक पहुँचे
youtube.com/@ujalasanchar
सब्सक्राइब करें – ताकि कोई बड़ी खबर न छूटे!
लाइक करें – आपकी पसंद हमें और बेहतर बनाती है!
कमेंट करें – अपनी राय हमारे साथ शेयर करें!
शेयर करें – सच की खबर को और आगे पहुँचाएँ!
SUBSCRIBE
AND ENABLE NOTIFICATIONS

उजाला संचार - मुद्रक, प्रकाश, प्रधान संपादक महेंद्र कुमार सोनकर द्वारा मीडिया टेक्स्ट, प्रा.लि. गोबिंदपुर, जीटी रोड, रोहनिया (वाराणसी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। भिखारीपुर, बीएलडब्ल्यू, शहर वाराणसी, (उ.प्र.)। संपर्क : 0542-4059021, 9696104265, 9696104269
समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के लिए समस्त वाद वाराणसी न्यायाल के अधीन होंगे।